व्याकरण गंगा

4

हिंदी व्याकरण की पाठ्यपुस्तक

लेखक :

श्री बनवारी लाल

एम. ए. (हिंदी), शिक्षाशास्त्र, **बी.एड.**

ब्रह्मपुरी पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल

दिल्ली

ROYAL PUBLISHING HOUSE

Delhi Faridabad

Published by :

ROYAL PUBLISHING HOUSE

Delhi Faridabad

Regd. Off.: Om Shubham Plaza, L-4, Sector-16, Near Sagar Cinema, Faridabad
Tel.: 2281326, 2401155, 2401213

Br. Off. : Street No. 6, H.No. 175, HR-Block, PulPahladpur, Badarpur, Delhi

E-mail : royalpublishers@rediffmail.com

Disclaimer and Liability

Utmost care has been taken to avoid errors while editing and printing this book. However, some errors might have crept in unintentionally. Any error or discrepancy brought to our notice shall be thankfully acknowledged and taken care of in the next edition.

© Copyright All Rights Reserved

All rights reserved with the Publisher. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means: electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written permission of publisher.

Printed at : Unique Printing Press, Delhi

प्रस्तावना

प्रत्येक भाषा की अपनी व्यवस्था और अपने नियम होते हैं। भाषा की इस व्यवस्था के नियमों को ही **'व्याकरण'** कहते हैं। व्याकरण में प्रत्येक शब्द, पद, वाक्य इत्यादि के बनने से लेकर प्रयोग तक की जानकारी होती है। अत: किसी भी भाषा को सीखने से पहले उसका व्याकरण जानना आवश्यक होता है।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमने आधुनिक युग के नन्हें, सुकोमल, चंचल और जिज्ञासु बच्चों को व्याकरण सिखाने के लिए **व्याकरण गंगा** नामक यह शृंखला बनाई है। इस शृंखला को प्रस्तुत करते हुए हमारे मन में अत्यंत सुख और रोमांच है।

इस व्याकरण शृंखला का निर्माण **'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)'** के अंतर्गत निर्मित सभी राज्यों के शिक्षा बोर्डों द्वारा निर्धारित विविधता और नवीनता को दृष्टिगत रखते हुए इसमें नए पाठ्य-बिंदुओं का समावेश किया गया है।

इस व्याकरण शृंखला का उद्देश्य खेल-खेल में भाषा और व्याकरण का समुचित और सुबोध शैली में अध्ययन कराना है। बच्चे व्याकरण को शुरू से ही एक कठिन विषय के रूप में देखने लगते हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए भाषा और व्याकरण के जटिल नियमों को बोझिल शब्दावली में नहीं, बल्कि अत्यंत सरल और रोचक शब्दों में बच्चों तक पहुँचाना ही हमारा प्रयत्न है।

हमारी कोशिश है कि बच्चों के लिए पढ़ाई एक अनायास और आनंददायक खेल बन जाए। उन्हें रटने की जरूरत न पड़े और आज के सीखे हुए पाठ जीवन भर उनके काम आएँ।

व्याकरणिक बिंदुओं को अधिकाधिक सचित्र रूप में प्रस्तुत किया गया है। साथ ही उदाहरणों के माध्यम से सक्रियता को बढ़ावा दिया गया है। व्याकरण के विभिन्न अभ्यासों में बहुविकल्पीय प्रश्नों का समावेश करके रोचकता का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। अभ्यास के लिए (हेतु) प्रश्नों के विविध रूपों का समायोजन किया गया है, इससे प्रश्नों की एकरूपता से होने वाली नीरसता से बचा जा सकेगा।

यह व्याकरण शृंखला बच्चों के न केवल समुचित विकास में बल्कि उनकी अवलोकन एवं विश्लेषण करने की क्षमता के विकास में भी अपनी सार्थकता अधिक सशक्त ढंग से प्रमाणित कर पाएगी।

इस शृंखला को और अधिक उपयोगी एवं परिष्कृत बनाने हेतु आपकी सभी प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों का स्वागत है।

अनेक शुभकामनाओं सहित यह पुस्तक आपको समर्पित है।

-लेखक

पाठ मूल्यांकन

पाठ संख्या	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या	सरल परिभाषाएँ	हम जान गए	विशेष गतिविधियाँ
1.	भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण	5-9	सरल परिभाषाएँ एवं भाषा और बोली के रूप	भाषा के रूप, नियम एवं लिखने का ढंग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
2.	वर्ण, वर्णमाला और मात्राएँ	10-14	वर्ण, वर्णमाला, वर्ण के भेद एवं मात्राओं के रूप	स्वर, व्यंजन, अनुस्वार अनुनासिक एवं मात्राएँ	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
3.	संयुक्त व्यंजन	15-17	सरल परिभाषा, विभिन्न संयुक्त व्यंजनों के रूप	वर्तनी, र के विभिन्न रूप	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
4.	संज्ञा, (लिंग एवं वचन)	18-31	सरल परिभाषाएँ	संज्ञा, लिंग, वचन के भेद	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
5.	सर्वनाम	32-34	सर्वनाम की सरल परिभाषा	सर्वनाम का उचित प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
6.	विशेषण	35-40	विशेषण की परिभाषा एवं भेद	सार्वनामिक विशेषण, विशेषण एवं विशेष्य	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
7.	क्रिया	41-44	क्रिया की परिभाषा एवं भेद	क्रिया के भेद एवं काल	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
8.	क्रिया-विशेषण	45-47	क्रिया-विशेषण की सरल परिभाषा एवं भेद	क्रिया विशेषण के समय, स्थान मात्रा एवं विधि	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
9.	वाक्य	48-49	वाक्य की परिभाषा	शब्दों की उचित व्यवस्था	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
10.	विराम-चिह्न	50-53	विराम-चिह्न की परिभाषा	विराम-चिह्न के प्रकार एवं प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
11.	मुहावरे	54-57	मुहावरे की सरल पीरभाषा	विभिन्न मुहावरों के उचित प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
12.	शब्द-भंडार	58-72	विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, अनेकार्थक, श्रुतिसम भिन्नार्थक, समूहवाची एवं वाक्यांश के लिए एक शब्द की सरल परिभाशाएँ	शब्दों के विभिन्न प्रयोग एवं उनके अर्थ	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
13	रचनात्मक गतिविधियाँ	73-92	चित्र वर्णन अपठित गद्यांश अनुच्छेद लेखन पत्र-लेखन संवाद-लेखन वर्तनी की अशुद्धियाँ दिनों के नाम महीनों के नाम संख्याओं के नाम	चित्र देखकर वर्णन करना अध्ययन लेख औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र वार्तालाप अशुद्ध को शुद्ध करना सामान्य ज्ञान सामान्य ज्ञान सामान्य ज्ञान	प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य सामान्य ज्ञान

आदर्श प्रश्न-पत्र I 93-94 आदर्श प्रश्न-पत्र II 95-96

1 भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण

भाषा

हम अपने विचारों को बोलकर व लिखकर दूसरों को बताते हैं। दूसरों के भावों तथा विचारों को सुनकर व पढ़कर जानते हैं। इसे ही 'भाषा' कहते हैं। नीचे दिए गए उदाहरण को पढ़कर समझिए।

कल रेखा का जन्मदिन था। वह बहुत प्रसन्न थी। उसकी कई सहेलियाँ आई थीं। रेखा बार-बार दरवाज़े पर जाकर खड़ी हो जाती थी। रीना ने उससे पूछा–"तुम किसकी प्रतीक्षा कर रही हो?" रेखा ने कहा–"मैं अपने चाचाजी की प्रतीक्षा कर रही हूँ। उन्होंने कहा था कि वे अवश्य आएँगे। पता नहीं क्या हुआ?" तभी दरवाज़े की घंटी बजी। एक लड़का एक बड़ा पैकेट लेकर आया। उसके चाचाजी ने उसके लिए उपहार भेजा था। साथ में एक पत्र भी था। रेखा ने पत्र पढ़ा। चाचाजी ने लिखा था कि वे नहीं आ पाएँगे, क्योंकि उन्हें किसी ज़रूरी काम से बाहर जाना पड़ गया है।

रीना को बात कैसे पता चली?	–	सुनकर
रेखा ने रीना को कैसे बताया?	–	बोलकर
रेखा ने जानकारी कैसे प्राप्त की?	–	पढ़कर
चाचाजी ने अपने न आने की जानकारी कैसे दी?	–	लिखकर

भाषा वह साधन है, जिससे हम एक-दूसरे की बातों को सुनकर, बोलकर, पढ़कर या लिखकर जान जाते हैं।

भाषा के दो रूप होते हैं– **1. मौखिक** **2. लिखित**

मौखिक रूप

अध्यापक कक्षा में बोलकर पाठ समझाते हैं। कक्षा में बैठे विद्‍यार्थी सुनकर पाठ समझते हैं। हमारे घर में मम्मी–पापा हमसे बोलकर बातें करते हैं। हम उनकी बातों को सुनकर उत्तर देते हैं। यह भाषा का मौखिक रूप है।

लिखित रूप

हम पत्र लिखकर भी अपनी बात दूसरों को बताते हैं। छपी हुई पुस्तकों को पढ़ते हैं। समाचार–पत्रों में छपे हुए समाचारों को पढ़ते हैं। यह भाषा का लिखित रूप है। हमारे देश के अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग भाषाएँ बोली–समझी जाती हैं। उन्हें अलग–अलग प्रकार से लिखा जाता है।

- केरल में मलयालम बोली जाती है।
- पंजाब में पंजाबी बोली जाती है।
- कर्नाटक में कन्नड़ बोली जाती है।
- असम में असमिया बोली जाती है।
- बंगाल में बांग्ला बोली जाती है।
- महाराष्ट्र में मराठी बोली जाती है।

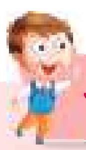

यह भी जानें

- कुछ बातें संकेतों द्‍वारा भी समझाई जाती हैं। जैसे–छोटे बच्चे भूख लगने पर रोते हैं। चौराहे पर लगी लाल, हरी तथा पीली बत्तियाँ बसों, ट्रकों, कारों आदि को रुकने या चलने का संकेत देती हैं। रेलगाड़ी का गॉर्ड लाल–हरी झंडी दिखाकर उसे रुकने या चलने का संकेत देता है लेकिन सभी बातें संकेतों से नहीं समझाई जा सकतीं। अपने भाव या विचार दूसरों को बताने अथवा दूसरों के भाव या विचार जानने के लिए भाषा सीखनी ही पड़ती है।

बोली

बोली भाषा का वह रूप है, जिसका प्रयोग किसी विशेष जगह या स्थान पर ही किया जाता है। जिस बोली का संबंध जिस स्थान से होता है, वह वहीं तक सीमित होती है। बोली का प्रयोग सिर्फ़ बोलचाल के लिए किया जाता है। लेखन कार्यों में इसका प्रयोग नहीं किया जाता।

जैसे—भोजपुरी, हरियाणवी, राजस्थानी, बिहारी, गढ़वाली आदि बोलियाँ हैं। इनका प्रयोग केवल इनसे संबंधित क्षेत्रों में ही किया जाता है।

लिपि

हर भाषा को लिखने का अलग-अलग ढंग होता है। भाषा को लिखकर प्रकट करने के लिए निश्चित चिह्न होते हैं। भाषा को लिखने के लिए प्रयोग किए जाने वाले चिह्न ही 'लिपि' कहलाते हैं।

भाषा लिखने के ढंग को **लिपि** कहते हैं।

भाषाओं की लिपियाँ—

हिंदी – देवनागरी उर्दू – फ़ारसी अंग्रेज़ी – रोमन पंजाबी – गुरुमुखी

व्याकरण

भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान व्याकरण के द्वारा होता है। हर भाषा के कुछ नियम होते हैं। इन नियमों की सही जानकारी व्याकरण से होती है और भाषा को शुद्ध रूप से लिखने तथा बोलने का ज्ञान भी व्याकरण से ही होता है। नीचे दिए गए कुछ उदाहरण देखिए—

1. यह मेरी थैला है। 2. रामू चॉकलेट है खा रहा। 3. राम बहुत अच्छा गाना गाती है।

ऊपर दिए गए वाक्य अशुद्ध हैं। इनके शुद्ध रूप नीचे देखिए—

1. यह मेरा थैला है। 2. रामू चॉकलेट खा रहा है। 3. राम बहुत अच्छा गाना गाता है।

भाषा के नियमों की सही जानकारी देने वाले शास्त्र को **व्याकरण** कहते हैं।

अब हम जान गए–

- अपने मन के भाव को बोलकर या लिखकर दूसरों तक पहुँचाना या प्रकट करना ही भाषा है।
- भाषा के दो रूप हैं–

भाषा
- मौखिक (बोलकर, सुनकर)
- लिखित (पढ़कर, लिखकर)

- बोली भाषा का वह रूप है, जिसका प्रयोग किसी विशेष जगह पर ही किया जाता है।
- भाषा के लिखने के ढंग को 'लिपि' कहते हैं।
- भाषा के नियमों की सही जानकारी देने वाले शास्त्र को 'व्याकरण' कहते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. अंग्रेज़ी भाषा की लिपि है–

   (क) रोमन ◯ (ख) फ़ारसी ◯ (ग) देवनागरी ◯

2. लिखकर प्रकट नहीं होती–

   (क) बोली ◯ (ख) भाषा ◯ (ग) दोनों ◯

3. देवनागरी क्या है?

   (क) बोली ◯ (ख) भाषा ◯ (ग) लिपि ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान

सोचो और बताओ–

1. **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–**

   (क) रमा खाना बनाती है बहुत अच्छा।

   ....

   (ख) राजन बाज़ार से आया नहीं अभी तक।

   ....

(ग) मेरा बहन गया है स्कूल।

....

(घ) मैं अपनी मम्मी के साथ बाज़ार गया कल।

....

2. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर लिखिए कि इनमें भाषा के किस रूप का प्रयोग हो रहा है–

....

....

खेल-खेल में–

1. निम्न वर्गों में दिए गए अक्षरों में कुछ भारतीय भाषाओं के नाम छिपे हैं। उन्हें खोजकर लिखिए–

म	म	ठी	ठी	रा	रा	म	मा	म	रा	ठी	ठी	रा	मराठी
ने	ने	पा	ने	ली	पा	पा	ने	ने	पा	ली	ली	पा	....
ब	ब	बं	गा	ली	ग	गा	ली	ली	ली	ग	ब	ग	....
त	रा	ती	गु	रा	गु	ज	रा	ती	रा	रा	ती	ती	....

2. सही वर्ण भरकर भाषाओं के नाम संबंधी पहेली पूरी कीजिए–

	ते		गु				
			ज				
		म		ठी			
		ल	ती				
	ड़ि					न्न	ड़
र्दू		ल			श्मी		
		म		पु			

2 वर्ण, वर्णमाला और मात्राएँ

प्रत्येक शब्द कई ध्वनियों से मिलकर बनता है।

जैसे–

बंदर	–	ब् + अ + न् + द् + अ + र् + अ
केला	–	क् + ए + ल् + आ
खाता	–	ख् + आ + त् + आ
है	–	ह् + ऐ

बंदर केला खाता है।

हम देख सकते हैं कि 'बंदर' शब्द सात ध्वनियों से, 'केला' चार ध्वनियों से, 'खाता' भी चार ध्वनियों से और 'है' दो ध्वनियों से मिलकर बना है।

इन ध्वनियों के और अधिक टुकड़े नहीं किए जा सकते, ये ही 'वर्ण' कहलाते हैं।

वह छोटी से छोटी ध्वनि, जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हों, **वर्ण** कहलाती है।

वर्ण के दो भेद हैं–

1. **स्वर**
2. **व्यंजन**

स्वर–हिंदी में ग्यारह स्वर हैं। इन्हें व्यंजनों के साथ मात्रा के रूप में प्रयोग किया जाता है। स्वर के चिह्नों को 'मात्रा' कहते हैं।

स्वर –	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
मात्राएँ –	–	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ

व्यंजन–व्यंजन वे वर्ण कहलाते हैं, जिनके उच्चारण में स्वरों की सहायता की आवश्यकता होती है।

कवर्ग–	क	ख	ग	घ	ङ		
चवर्ग–	च	छ	ज	झ	ञ		
टवर्ग–	ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़
तवर्ग–	त	थ	द	ध	न		
पवर्ग–	प	फ	ब	भ	म		
अंतस्थ–	य	र	ल	व			
ऊष्म–	श	ष	स	ह			
संयुक्त व्यंजन–	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र			

वर्णों की क्रमिक सूची को **वर्णमाला** कहते हैं।

- हिंदी में कुछ अन्य ध्वनियों का भी प्रयोग किया जाता है–

अनुस्वार	अं	–	अंक, अंगूर
अनुनासिक	अँ	–	चाँद, अँगूठी
विसर्ग	अः	–	प्रातः, प्रायः
ध्वनियाँ	ऑ	–	डॉक्टर, ऑफिस
आगत (नुक्ता)	ज़	–	ज़रूर, ज़रा
	फ़	–	गुफ़ा, साफ़

यह भी जानें

- वर्णों का अर्थ देने वाला समूह 'शब्द' कहलाता है। जैसे–क् + अ + म् + अ + ल् + अ = कमल
- क्ष, त्र, ज्ञ और श्र संयुक्त व्यंजनों में एक से अधिक व्यंजन हैं, जैसे– क्ष = क् + ष, त्र = त् + र, ज्ञ = ज् + ञ, श्र = श् + र

मात्राएँ–शब्द बनाते समय व्यंजनों के साथ स्वरों के चिह्न लगाए जाते हैं। इन चिह्नों को **मात्राएँ** कहते हैं। वैसे तो हिंदी में ग्यारह स्वर हैं, परंतु मात्रा केवल दस स्वरों की ही होती है, क्योंकि 'अ' की कोई मात्रा नहीं होती है।

स्वर	मात्रा	मात्रा का प्रयोग	उदाहरण
अ	–	क् + अ = क	कम
आ	ा	क् + ा = का	काम
इ	ि	क् + ि = कि	किला
ई	ी	क् + ी = की	कीट
उ	ु	क् + ु = कु	कुत्ता
ऊ	ू	क् + ू = कू	कूद
ऋ	ृ	क् + ृ = कृ	कृपा
ए	े	क् + े = के	केला
ऐ	ै	क् + ै = कै	कैसे
ओ	ो	क् + ो = को	कोट
औ	ौ	क् + ौ = कौ	कौवा

❖ र में उ तथा ऊ की मात्राएँ उसके नीचे नहीं, बल्कि बीच में लगाई जाती हैं–र् + उ = रु (रुनझुन)
र् + ऊ = रू (रूमाल)

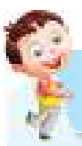

अब हम जान गए–

- मुँह से निकलने वाली ध्वनि के सबसे छोटे रूप को 'वर्ण' कहते हैं।
- सभी वर्णों की क्रमिक सूची 'वर्णमाला' कहलाती है।
- परस्पर जुड़े संयुक्त व्यंजन ही 'संयुक्ताक्षर' कहलाते हैं।
- 'र' वर्ण अनेक रूपों में प्रयोग होता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. वर्ण के कितने भेद होते हैं?

   (क) चार ◯ (ख) तीन ◯ (ग) दो ◯

2. वर्णमाला में कितने व्यंजन होते हैं?

   (क) तीस ◯ (ख) चालीस ◯ (ग) तैंतीस ◯

3. वर्णमाला में स्वरों की संख्या होती हैं–

   (क) नौ ◯ (ख) दस ◯ (ग) ग्यारह ◯

4. मात्रा वाला स्वर नहीं है–

   (क) ऋ ◯ (ख) अ ◯ (ग) आ ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Logical Mathematical
  तर्क बुद्धि
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम

सोचो और बताओ–

1. निम्नलिखित शब्दों में कुछ मात्राएँ छूट गई हैं। उनमें सही मात्राएँ लगाकर शब्द लिखिए–

पड़ – .... पेड़ ....

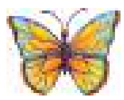
ततल – ....

नका – ....

इमल – ....

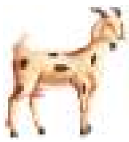
बकर – ....

पहड़ – ....

2. निम्नलिखित ध्वनियों का प्रयोग करते हुए दो-दो शब्द लिखिए–

अनुनासिक (ँ) – .... चाँद ....

अनुस्वार (ं) – ....

विसर्ग (:) – ....

आगत (ऑ) – ....

(ज़) – ....

(फ़) – ....

3. **वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए–**

(क) प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ – पुस्तक

(ख) आ + स् + अ + म् + आ + न् + अ – ....

(ग) व् + अ + र् + ष् + आ – ....

(घ) म् + अ + क् + अ + ड़् + ई – ....

खेल-खेल में–

1. **नीचे बॉक्स में एक शब्द दिया गया है। शब्द के अक्षरों में मात्राएँ जोड़ कर अधिक से अधिक शब्द बनाने की कोशिश करें।**

तल

ताल ....

....

....

2. **वर्ग में दिए गए वर्णों की सहायता से शब्द बनाइए–**

....

....

....

अ	क	च	न
त	र	ट	स
ब	प	श	ल
घ	ह	ग	म

3 संयुक्त व्यंजन

बिल्ली

बच्चा

चम्मच

ऊपर दिए गए शब्दों में दो व्यंजनों को जोड़ कर लिखा गया है।

संयुक्त का अर्थ है–जुड़ा हुआ। जब दो व्यंजन एक–दूसरे से जुड़ते हैं, तो उन्हें **संयुक्त व्यंजन** कहते हैं।

संयुक्त व्यंजन वर्णों में दोनों व्यंजन जोड़कर बोले और लिखे जाते हैं। जैसे–

मगरमच्छ

ग्यारह

क्यारी

कुछ संयुक्त व्यंजनों के मेल होने पर दोनों व्यंजनों का रूप बदल जाता है, जैसे–

क्	+	ष	=	क्ष	–	क्षमा
ज्	+	ञ	=	ज्ञ	–	यज्ञ

त्	+	र	=	त्र	–	नेत्र
श्	+	र	=	श्र	–	श्रमिक

जब दो समान व्यंजन एक साथ आएँ, जिसमें पहला व्यंजन बिना स्वर का होता है और दूसरा स्वर के साथ, तो उसे 'द्वित्व व्यंजन' कहते हैं। जैसे– बच्चा, धब्बा, पत्ता आदि।

क्	+	का	=	क्का	–	मक्का
त्	+	ता	=	त्ता	–	छत्ता

क्	+	की	=	क्की	–	चक्की
ल्	+	ली	=	ल्ली	–	दिल्ली

ट् + ठा	= ट्ठा	–	लट्ठा		क् + ख	= क्ख	–	मक्खन
द् + ध	= द्ध	–	बुद्ध		फ़् + त	= फ़्त	–	दफ़्तर
ब् + बा	= ब्ब	–	गुब्बारा		त् + थ	= त्थ	–	पत्थर

'र' से बनने वाले संयुक्त व्यंजन के अलग-अलग रूप होते हैं। जैसे–

रेफ़ – र् + म = धर्म
र् + व = पर्व

पदेन – क् + र = चक्र
भ् + र = भ्रम
ट् + र = राष्ट्र
ड् + र = ड्रम

अब हम जान गए–

- दो व्यंजनों के जोड़ को 'संयुक्त व्यंजन' कहते हैं।
- शब्द जिन वर्णों से बना होता है, वही उसकी वर्तनी होती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. संयुक्त व्यंजन वाला शब्द है–
   (क) ज्ञानी ◯ (ख) बालक ◯ (ग) बारह ◯
2. संयुक्त व्यंजन वाला शब्द नहीं है–
   (क) मछली ◯ (ख) मच्छर ◯ (ग) मक्खी ◯
3. किस शब्द में 'र' व्यंजन नहीं है?
   (क) प्रश्न ◯ (ख) पृथ्वी ◯ (ग) ट्रक ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

सोचो और बताओ–

1. क्ष, त्र, ज्ञ, श्र का प्रयोग करते हुए तीन-तीन शब्द लिखिए–

क्ष – क्षमा ....
त्र – त्रिशूल ....
ज्ञ – ज्ञानी ....
श्र – श्रम ....

2. 'र' की सहायता से शब्द बनाकर लिखिए–

र	्	ि	्र
भारत	क्रम	पर्वत	ट्रक
....	....	....	....
....	....	....	....

खेल-खेल में–

अपनी कक्षा के किन्हीं चार ऐसे विद्यार्थियों के नाम लिखिए, जिनमें संयुक्त व्यंजन का प्रयोग हो।

जैसे– प्रज्ञा ज्ञा

नाम	संयुक्त व्यंजन
....	....
....	....
....	....
....	....

4 संज्ञा

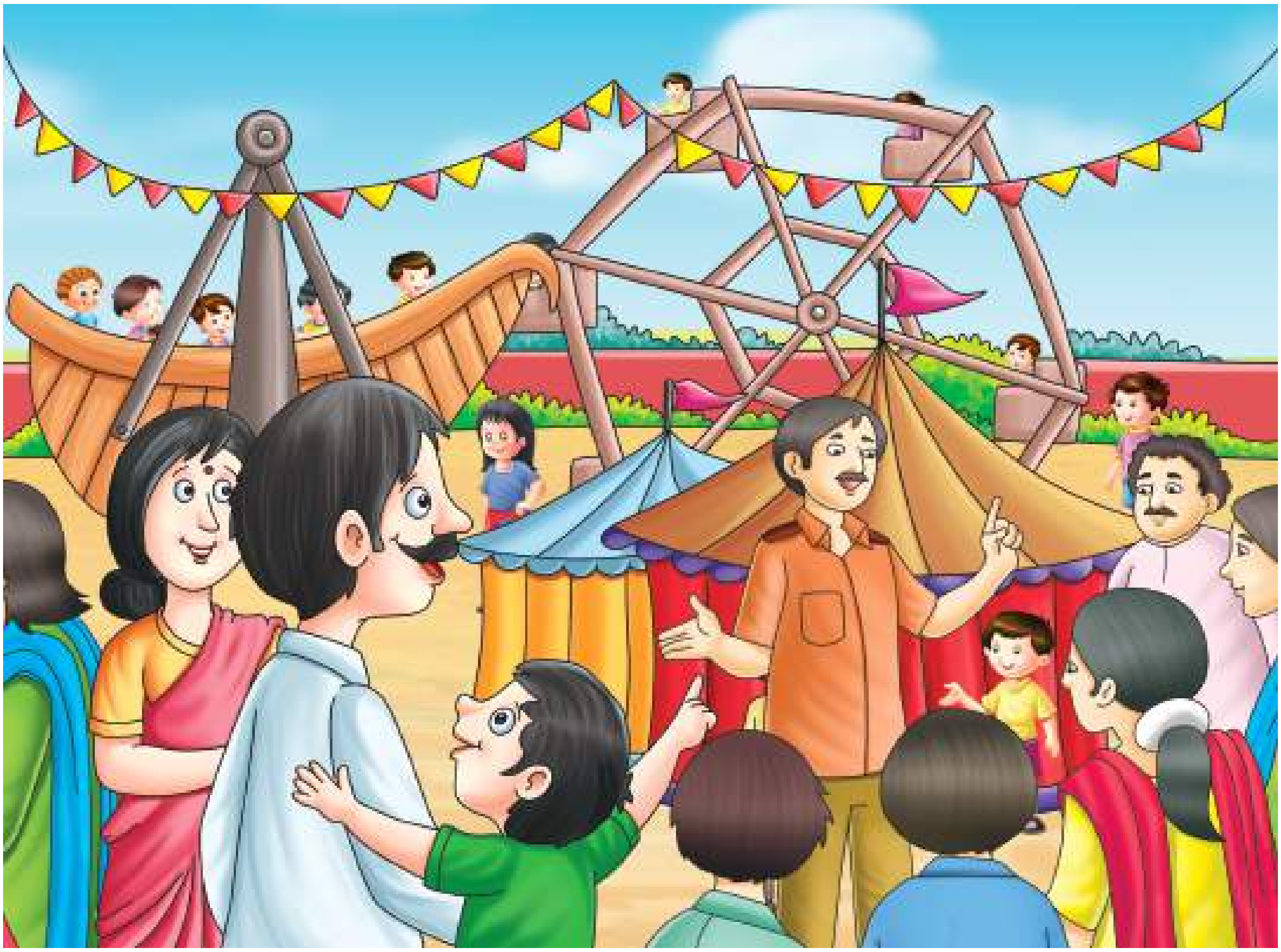

राज और सीमा अपने माता-पिता के साथ जयपुर का मेला देखने गए। मेला एक विशाल मैदान में लगा था। मेले में बहुत-से लोग घूम रहे थे। मेले में बहुत-सी दुकानें थीं। जानवरों का मेला भी लगा हुआ था। मेले में जोकर भी थे। उन्होंने लोगों को खूब हँसाया। बच्चों ने वहाँ कई खिलौने लिए। राज और सीमा को बहुत खुशी मिली।

ऊपर दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु व स्थान का बोध करा रहे हैं।

अतः किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान व भाव के नाम को **संज्ञा** कहते हैं। जैसे–राज, सीमा, जयपुर, मैदान, जानवर, जोकर, खिलौने, खुशी आदि।

संज्ञा के तीन भेद होते हैं–

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा** 2. **जातिवाचक संज्ञा** 3. **भाववाचक संज्ञा**

व्यक्तिवाचक संज्ञा

महात्मा गाँधी महान थे।

मैं कल **आगरा** जाऊँगा।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द किसी व्यक्ति व स्थान विशेष का ज्ञान करा रहे हैं।

वे नाम शब्द, जो किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं, उन्हें **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे– सीता, राधा, दिल्ली, हिमालय आदि।

जातिवाचक संज्ञा

लड़कियाँ घूमने जाती हैं।

बाग में **फूल** खिले हैं।

अध्यापक पढ़ाते हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'लड़कियाँ', 'फूल' तथा 'अध्यापक' शब्द किसी विशेष व्यक्ति या वस्तु का बोध न कराते हुए पूरे समूह का बोध करा रहे हैं। जैसे–'अध्यापक' शब्द में किसी एक अध्यापक की बात नहीं की जा रही है, अपितु सभी की बात की जा रही है।

वे नाम शब्द, जो किसी जाति के सभी व्यक्तियों, वस्तुओं व स्थानों का बोध कराते हैं, उन्हें **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे– पंडित, फल, बच्चे आदि।

भाववाचक संज्ञा

वह **ईमानदारी** से काम करता है।

बुढ़ापा उन्हें परेशान करता है।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द किसी दशा या भाव (गुण–दोष) को प्रकट कर रहे हैं। जैसे– 'ईमानदारी' शब्द व्यक्ति के गुण का बोध करा रहा है और 'बुढ़ापा' शब्द व्यक्ति की अवस्था का बोध करा रहा है।

जो संज्ञा शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान के गुण, दोष, अवस्था, दशा आदि का बोध कराते हैं, उन्हें **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे–ईमानदारी, बेईमानी, सच्चाई, गरीबी, सुंदरता, मिठास आदि।

भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना मुख्य रूप से जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया शब्दों से होती है–

जातिवाचक संज्ञा से	सर्वनाम से	विशेषण से	क्रिया से
मित्र – मित्रता	अपनी – अपनापन	मीठा – मिठास	हँसना – हँसी
बच्चा – बचपन	अहं – अहंकार	वीर – वीरता	लिखना – लिखावट

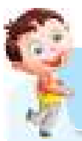

अब हम जान गए–

- व्यक्ति, स्थान या भाव के नाम को **संज्ञा** कहते हैं।
- संज्ञा के तीन भेद होते हैं–

संज्ञा

व्यक्तिवाचक
(वे संज्ञा शब्द, जो किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं।)

जातिवाचक
(वे संज्ञा शब्द, जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान की जाति या समूह का ज्ञान कराते हैं।)

भाववाचक
(वे संज्ञा शब्द, जो किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के भाव या अवस्था का बोध कराते हैं।)

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा है–

   (क) जयपुर ◯ (ख) पेड़ ◯ (ग) खुशी ◯

2. जातिवाचक संज्ञा है–

   (क) लड़का ◯ (ख) चिड़ियाँ ◯ (ग) दोनों ◯

3. इनमें से कौन-सा शब्द भाववाचक है?

   (क) शेर ◯ (ख) बचपन ◯ (ग) ताजमहल ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Spatial
  वास्तुकथा
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम

सोचो और बताओ–

1. पेड़ में दिए गए सभी संज्ञा शब्दों को व्यक्तिवाचक, जातिवाचक व भाववाचक संज्ञा की तालिका में बाँटिए–

व्यक्तिवाचक

....
....
....
....

जातिवाचक

....
....
....
....

भाववाचक

....
....
....
....

2. **नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित संज्ञा शब्द भरकर कीजिए।**

उदाहरण–आकाश में बहुत-से तारे हैं।

(क) .... आग के गोले के समान है।

(ख) मुझे .... पढ़ना अच्छा लगता है।

(ग) .... हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।

(घ) .... चोरी करते पकड़ा गया।

(ङ) .... मेरा मित्र है।

खेल-खेल में–

1. **आओ, संज्ञा शब्दों से भरपूर एक सुंदर कविता पढ़ें–**

नाव चली, नानी की नाव चली,
सामान घर से निकाले गए,
नानी की नाव में डाले गए,
एक झाड़ू, चार आड़ू,
एक लहसुन, एक आलू
एक केला, एक आम

नाव चली, नानी की नाव चली,
नानी के घर से निकाले गए,
लकड़ी की नाव में डाले गए।
एक छड़ी, एक घड़ी,
एक संदूक, एक बंदूक,
एक तोता, एक भालू।

ऊपर दी गई कविता में प्रयोग हुए संज्ञा शब्दों पर गोला लगाइए।

2. **निम्नलिखित वाक्यों में से कोई आठ संज्ञा शब्द छाँटिए और डिब्बे में लिखिए–**

- आकाश और मीना रसगुल्ले खाने बाजार गए।
- गंगा, यमुना और सतलुज नदियाँ हिमालय से निकलती हैं।
- आम में खट्टा और मीठा दोनों स्वाद होते हैं।
- मेरे कपड़ों पर साबुन लगाओ।

....
....
....
....

3. **संज्ञा को समझने के लिए कक्षा के बच्चे पात्रों के रूप में संज्ञा, संज्ञा के भेद तथा उदाहरण बनें। सभी संवाद के रूप में अपनी-अपनी परिभाषा आदि बताएँ।**

लिंग

आओ, एक कविता पढ़ें–

दादा बोले **दादी** से,
चलो, चलेंगे आज बाज़ार,
मौसा-मौसी, **काका-काकी**,
सबको ले लो, अपने साथ।
देखा जब बाज़ार में जाकर,
हुए बहुत खुश **मुन्ना-मुन्नी**।
बोले मुझे भी लाकर दो,
बैठे हैं जो **गुड्डा-गुड्डी**।

उपर्युक्त कविता में रंगीन शब्दों में से कुछ शब्द पुरुष जाति का तथा कुछ शब्द स्त्री जाति का बोध करा रहे हैं। जैसे–

पुरुष जाति के शब्द	स्त्री जाति के शब्द
दादा	दादी
मौसा	मौसी
काका	काकी
मुन्ना	मुन्नी
गुड्डा	गुड्डी (गुड़िया)

लिंग का अर्थ है किसी प्राणी या वस्तु के पुरुष या स्त्री जाति की पहचान करना।

लिंग दो प्रकार के होते हैं–

1. पुल्लिग **2. स्त्रीलिंग**

1. **पुल्लिग–** वे शब्द, जो पुरुष जाति का बोध कराते हैं, **पुल्लिग शब्द** कहलाते हैं।
2. **स्त्रीलिंग–** वे शब्द, जो स्त्री जाति का बोध कराते हैं, **स्त्रीलिंग शब्द** कहलाते हैं।

यह भी जानें

- निर्जीव वस्तुएँ भी पुल्लिंग अथवा स्त्रीलिंग होती हैं। जैसे–
  - मेरी कमीज़ फट गई। कमीज़ – **स्त्रीलिंग**
  - मेरा कुरता फट गया। कुरता – **पुल्लिंग**
- कुछ शब्द सदा पुल्लिंग होते हैं। जैसे–पलंग, ताला, सोना, बगीचा, पहाड़, झरना, आम, पेड़, दूध।
- कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे–कुरसी, सरदी, गरमी, दिल्ली, नदी, गिलहरी, तितली।
- देशों, दिनों तथा पहाड़ों के नाम प्रायः पुल्लिंग होते हैं। जैसे–भारत, सोमवार, हिमाचल।
- नदियों (ब्रह्मपुत्र को छोड़कर), भाषाओं तथा तिथियों के नाम प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे–गंगा, हिंदी, अष्टमी।

कुछ पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्द–

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
हाथी	–	हथिनी
पड़ोसी	–	पड़ोसिन
जेठ	–	जेठानी
लेखक	–	लेखिका
मामा	–	मामी
मोर	–	मोरनी
दादा	–	दादी
शिक्षक	–	शिक्षिका
सेवक	–	सेविका
पाठक	–	पाठिका
ग्वाला	–	ग्वालिन
हिरन	–	हिरनी
शिष्य	–	शिष्या

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
अध्यापक	–	अध्यापिका
नाती	–	नातिन
सम्राट	–	सम्राज्ञी
मालिक	–	मालकिन
गायक	–	गायिका
मुरगा	–	मुरगी
चूहा	–	चुहिया
धोबी	–	धोबिन
युवक	–	युवती
सेठ	–	सेठानी
ऊँट	–	ऊँटनी
माली	–	मालिन
सुनार	–	सुनारिन

अब हम जान गए–

- वे शब्द, जो स्त्री जाति या पुरुष जाति का बोध कराते हैं, **लिंग** कहलाते हैं।
- लिंग संबंधी शब्द दो तरह के होते हैं–

  स्त्रीलिंग शब्द – जो स्त्री जाति का बोध कराएँ।

  पुल्लिंग शब्द – जो पुरुष जाति का बोध कराएँ।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. 'माली' का स्त्रीलिंग शब्द है–

   (क) मालिन ◯ (ख) मालीनी ◯ (ग) मालकिन ◯

2. पुल्लिग शब्द है–

   (क) शिष्या ◯ (ख) सेवक ◯ (ग) हिरनी ◯

3. स्त्रीलिंग शब्द है–

   (क) सुनार ◯ (ख) हंस ◯ (ग) शिक्षिका ◯

4. 'ग्वालिन' का पुल्लिग शब्द है–

   (क) ग्वाल ◯ (ख) ग्वाला ◯ (ग) ग्वालन ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Inter Personal
  संवेदनशीलता
- Bodily Kinesthetic
  शारीरिक क्षमताएँ

सोचो और बताओ–

रंगीन शब्दों का लिंग बदलकर वाक्यों को पुनः लिखिए–

(क) बाग में **माली** काम कर रहा है।

....

(ख) मेरी **मौसी जी** बाजार गई हैं।

....

(ग) **धोबी** कपड़े धोता है।

....

(घ) **कवि** ने मधुर कविता सुनाई।

....

(ङ) **छात्र** ने प्रश्न का उत्तर नहीं दिया।

....

(च) **लड़का** खाना खा रहा है।

....

खेल-खेल में–

1. कक्षा में बच्चों को दो समान समूहों में बाँटिए। एक समूह को पुल्लिंग शब्दों के कार्ड दीजिए और दूसरे समूह को उनके स्त्रीलिंग शब्दों के कार्ड दीजिए।

   पुल्लिंग कार्ड वाले एक बच्चे को सामने बुलाइए, स्त्रीलिंग कार्ड वाला बच्चा स्वयं आकर उसके साथ जोड़ा बना लेगा। इस प्रकार पूरी कक्षा के बच्चे अभ्यास करेंगे।

2. **निम्नलिखित शब्दों को पुरुष जाति व स्त्री जाति के शब्दों में अलग-अलग लिखिए–**

चाचा, सिंहनी, लेखक, लेखिका, कवयित्री, शिक्षक, मोरनी, लड़का, नानी, सेठ

पुल्लिंग शब्द	स्त्रीलिंग शब्द
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

वचन

लड़का **छाता** लेकर जा रहा है।

दुकानदार **छाते** बेच रहा है।

मेज़ पर **किताब** रखी है।

मेज़ पर **किताबें** रखी है।

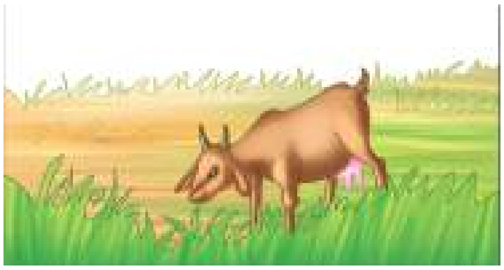

मैदान में **बकरी** घास चर रही है।

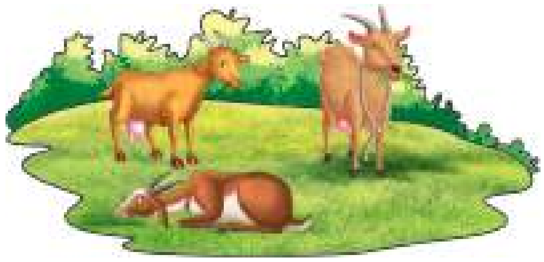

मैदान में **बकरियाँ** घास चर रही हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द में छाता, किताब व बकरी शब्द एक संख्या को दर्शा रहे हैं और छाते, किताबें व बकरियाँ शब्द अनेक संख्या को दर्शा रहे हैं।

शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चले, उसे **वचन** कहते हैं।

वचन के भेद

वचन

↓

एकवचन | **बहुवचन**

एकवचन

छत का **पंखा** चला दो। मुझे **केला** खाना है। बाग में **पौधा** लगा है।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द वस्तु की एक मात्रा का बोध करा रहे हैं।

जो शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु की (एक) मात्रा का आभास कराते हैं, वे **एकवचन** कहलाते हैं।

बहुवचन

छत पर **पंखे** लगे हैं। मुझे **केले** खाने हैं। बाग में **पौधे** लगे हैं।

जो शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु की एक से अधिक मात्रा का बोध कराते हैं, वे **बहुवचन** कहलाते हैं।

सदैव एकवचन में प्रयोग होने वाले शब्द – ईश्वर, जनता, वर्षा, आकाश आदि।

सदैव बहुवचन में प्रयोग होने वाले शब्द – आँसू, दर्शन, प्राण, होश, हस्ताक्षर आदि।

यह भी जानें

- वचन के बदलने पर कई बार संज्ञा का रूप नहीं बदलता परंतु क्रिया का रूप ज़रूर बदल जाता है।

  जैसे– छात्र चुपचाप **बैठा** है। छात्र चुपचाप **बैठे** हैं।

एकवचन तथा बहुवचन शब्दों के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं–

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
आँख	आँखें	कहानी	कहानियाँ
गाय	गाएँ	नदी	नदियाँ
भैंस	भैंसें	चिड़िया	चिड़ियाँ
पुस्तक	पुस्तकें	वस्तु	वस्तुएँ
किताब	किताबें	घोड़ा	घोड़े
चूहा	चूहे	नाव	नावें
मुरगा	मुरगे	चादर	चादरें
सड़क	सड़कें	पैसा	पैसे
माला	मालाएँ	बच्चा	बच्चे
पत्ता	पत्ते	गधा	गधे
जूता	जूते	दरी	दरियाँ
पंखा	पंखे	रोटी	रोटियाँ
कुत्ता	कुत्ते	स्त्री	स्त्रियाँ

अब हम जान गए–

- वचन से एक या अनेक का पता चलता है।
- एक हो तो एकवचन, एक से अधिक हो तो बहुवचन।
- क्रिया से भी यह पता चलता है कि संज्ञा शब्द एकवचन में है या बहुवचन में।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. 'माला' –

(क) मालाएँ ◯ (ख) मालाइयाँ ◯ (ग) मालाँ ◯

2. 'सब्ज़ी' –

(क) सब्ज़ियाँ ◯ (ख) सब्जी ◯ (ग) सब्जेंयाँ ◯

3. 'आँख' –

(क) आँखे ◯ (ख) आँखें ◯ (ग) आँखियाँ ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Logical Mathematical
  तर्क बुद्धि
- Loguistic
  भाषायी योग्यता
- Spatial
  वास्तुकला

सोचो और बताओ–

1. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप खाली स्थानों में भरिए–

(क) हमने गरम-गरम .... खाए। (समोसा)

(ख) गीता और सुनीता .... हैं। (सहेली)

(ग) कल मैंने दो .... खरीदीं। (गुड़िया)

(घ) फूलों पर कई .... मँडरा रही थीं। (तितली)

(ङ) आज मैंने तीन .... पढ़ीं। (कविता)

(च) माँ ने खिड़की के लिए कुछ .... सिलवाए। (परदा)

2. निम्नलिखित शब्दों को एकवचन तथा बहुवचन की तालिका में बाँटिए–

एकवचन	बहुवचन
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

बच्चा	चादर	मालाएँ
कहानियाँ	तकिया	चूहे
वस्तु	गद्दे	आँखें
नाव	जूते	गाय

खेल-खेल में–

1. संकेतों की सहायता से बहुवचन शब्दों की सीढ़ी पूरी कीजिए–

1.	दीवार का बहुवचन	–	नीचे
2.	नज़र का बहुवचन	–	सीधे
3.	नदी का बहुवचन	–	नीचे
4.	बकरी का बहुवचन	–	सीधे
5.	कहानी का बहुवचन	–	नीचे
6.	परी का बहुवचन	–	सीधे

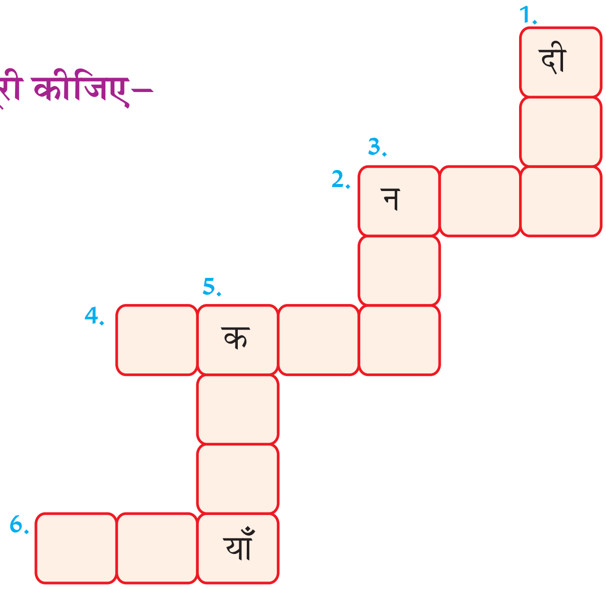

2. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और उसमें रंग भरिए–

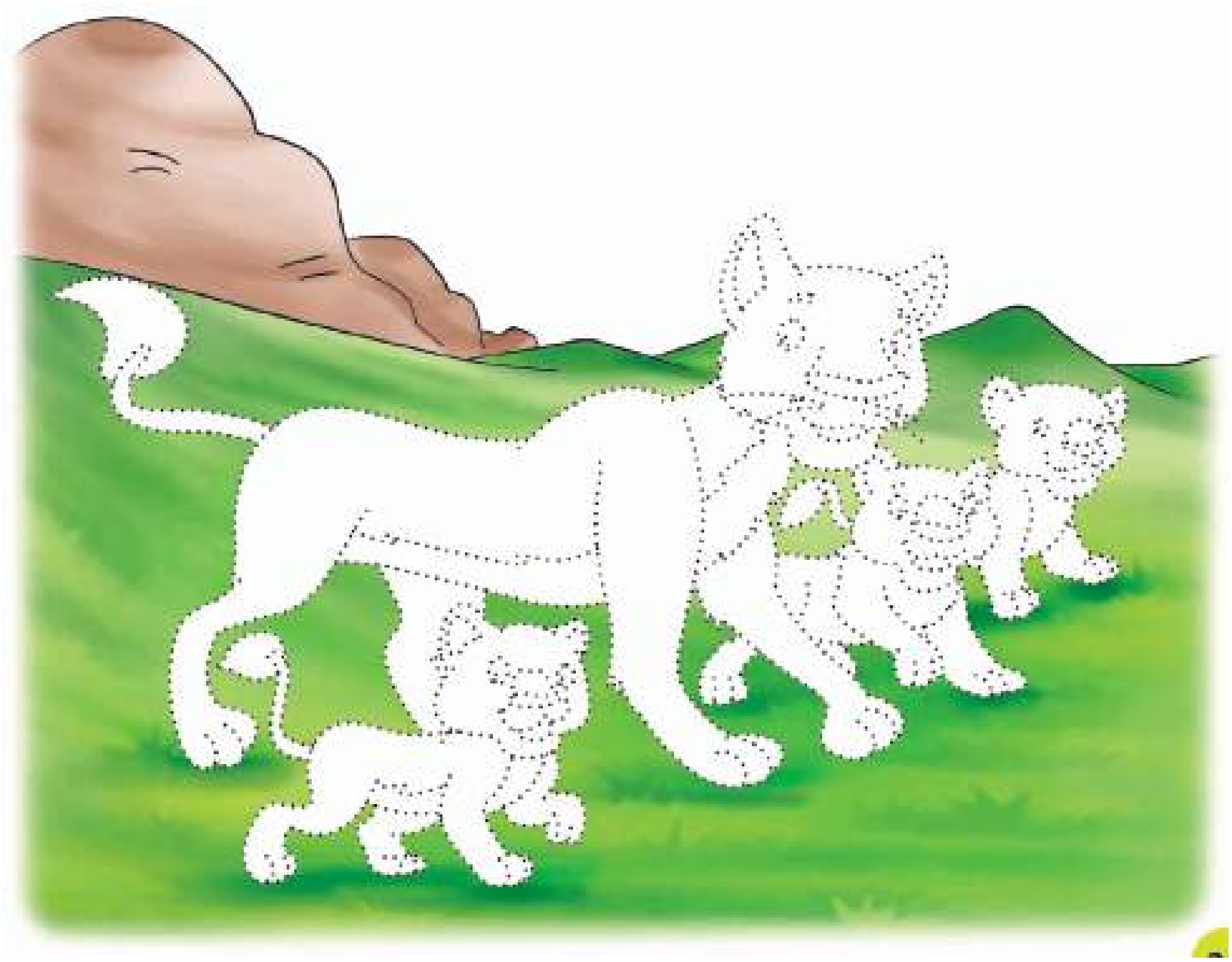

5 सर्वनाम

आप सभी ने प्यासे कौवे की कहानी तो सुनी ही होगी, आओ, फिर से यह कहानी पढ़ें–

एक कौवा था। **उसे** बहुत प्यास लगी थी। **वह** पानी की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था। **उसे** भटकते हुए, जंगल में एक घड़ा (मटका) दिखाई दिया। **उसने** सोचा, "**इसमें** ज़रूर बहुत पानी होगा, **मैं** यह पानी पीकर **अपनी** प्यास बुझा लूँगा।" **वह** मटके के पास पहुँचा, तो **उसमें** थोड़ा-सा पानी था। **उसे** घड़े के पास में कुछ कंकर नजर आए। **उसने** एक-एक कंकर उठाकर मटके में डालना शुरू कर दिया। मटके का पानी ऊपर आ गया। अब **उसने** प्यास बुझाई और उड़ गया।

ऊपर दी गई कहानी में रंगीन शब्द 'कौवे' व 'मटके' के स्थान पर प्रयोग हुए हैं। ये सभी शब्द (उसे, वह, उसमें, इसमें, मैं, उसने) सर्वनाम शब्द हैं।

वे शब्द, जो संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, **सर्वनाम शब्द** कहलाते हैं।

सर्वनाम का अर्थ है– सर्व + नाम, अर्थात् सबका नाम।

जैसे– विनय ने कहा, **वह** बाज़ार जाएगा।

मालती ने कहा, **वह** बाज़ार जाएगी।

माँ ने कहा, **वह** बाज़ार जाएगी।

यहाँ विनय, मालती और माँ अलग-अलग संज्ञा शब्द हैं, लेकिन 'वह' सर्वनाम शब्द सबके लिए आया है।

यह भी जानें

- अपने लिए– मैं, मैंने, मुझे, मेरा, मेरी, मेरे, हम, हमें, हमारा आदि सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
- दूसरे के लिए–तुम, तुम्हारा, तुम्हें, आप, आपने, आपको आदि सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
- जिसके बारे में बात की जाए, उसके लिए–यह, वह, ये, वे, उन्हें, उन्होंने, उसके, उनके आदि सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

अब हम जान गए–

- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को **सर्वनाम** कहते हैं।
- मैं, तुम, आप, यह, तुम, तुम्हें, ये, वे आदि सर्वनाम शब्द हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द कहलाते हैं–

   (क) कारक ◯ (ख) सर्वनाम ◯ (ग) कर्ता ◯

2. 'हम सबने उसे शाबाशी दी।' वाक्य में सर्वनाम शब्द है–

   (क) दी ◯ (ख) उसे ◯ (ग) शाबाशी ◯

3. निम्न में से कौन-सा शब्द सर्वनाम शब्द है?

   (क) तुम ◯ (ख) राजा ◯ (ग) नीला ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान

सोचो और बताओ–

1. **निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम शब्द लिखकर वाक्यों को पूरा कीजिए–**

(क) राम .... भाई है।

(ख) .... फ़ोन पर बात कर रहा है।

(ग) .... मेरे पास बुलाओ।

(घ) मैं .... काम कर दूँगा।

2. **निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों के प्रयोग से वाक्य बनाइए–**

(क) तुम्हारा – ....

(ख) उन्होंने – ....

(ग) तुम – ....

(घ) यह – ....

खेल-खेल में–

1. **निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए और संज्ञा शब्दों को सर्वनाम में बदलकर पुनः लिखिए–**

एक दिन रमन घूमने निकला। रास्ते में रमन को मोहित, करन और दीपाली मिले। रमन ने मोहित, करन और दीपाली से पूछा कि मोहित, करन और दीपाली कहाँ जा रहे हो? मोहित, करन और दीपाली ने कहा कि हम पार्क में खेलने जा रहे हैं। मोहित, करन और दीपाली ने रमन को भी मोहित, करन और दीपाली के साथ आने के लिए कहा लेकिन रमन बहाना बनाकर चला गया।

....

....

....

....

....

....

....

2. **कक्षा में सर्वनाम से संबंधित नृत्य नाटिका प्रस्तुत करें। एक विद्यार्थी सर्वनाम बनेगा और गाएगा–**

मैं हूँ सर्वनाम जी, मैं हूँ सर्वनाम,
संज्ञा की जगह पर आता हूँ मैं काम।
मैं हूँ सर्वनाम जी, मैं हूँ सर्वनाम।

छह विद्यार्थी सर्वनाम के भेद बनकर अपनी-अपनी परिभाषा बताएँगे। बाकी सभी विद्यार्थी उदाहरण बनेंगे।

6 विशेषण

एक **घने** जंगल में एक बड़ा-सा पेड़ था। उस पेड़ पर एक **शरारती** बंदर रहता था। उस पेड़ के पास ही और भी **ऊँचे-ऊँचे** पेड़ थे। उन पर **रंग-बिरंगी** चिड़ियाँ रहती थीं। वहाँ **छोटी-छोटी** झाड़ियाँ उगी हुई थीं। एक **ऊँचे** पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता था। उससे **मीठा** और **सुगंधित** रस टपकता रहता था। एक **सुहावनी** सुबह **शरारती** बंदर को एक शरारत सूझी। उसने मधुमक्खियों के **बड़े** छत्ते में हाथ डाल दिया। **गुस्सैल** मक्खियों ने बंदर को काटना शुरू कर दिया। बंदर वहाँ से जान बचा कर भाग गया।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द जंगल, बंदर, पेड़, चिड़ियाँ, झाड़ियाँ आदि के बारे में बता रहे हैं। यदि इन रंगीन शब्दों का प्रयोग न किया जाए, तो हमें अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के बारे में उसके गुण-दोष, रूप, आकार आदि के बारे में पता नहीं चलेगा।

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, वे शब्द **विशेषण** कहलाते हैं।

जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, वे **विशेष्य** कहलाते हैं।

उदाहरण – **शरारती** (विशेषण) **बंदर** (विशेष्य)

बच्चों से जानें

- जंगल कैसा था?
- पेड़ कैसे थे?
- बंदर कैसा था?
- चिड़ियाँ कैसी थीं?
- रस कैसा था?

विशेषण चार प्रकार के होते हैं–

1. **गुणवाचक** 2. **संख्यावाचक** 3. **परिमाणवाचक** 4. **सार्वनामिक**

गुणवाचक विशेषण

फूल **रंग-बिरंगे** हैं।

यह सेब **लाल** है।

राजू **अच्छा** लड़का है।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, दोष, आकार, रंग व रूप के बारे में बता रहे हैं।

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के रंग, रूप, आकार, गुण, दोष आदि का बोध कराते हैं, उन्हें **गुणवाचक विशेषण** कहते हैं।

संख्यावाचक विशेषण

रोजा की **तीन** बहनें हैं।

कमरे में **दो** कुरसियाँ हैं।

राम ने **चार** केले खाए।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द किसी वस्तु या व्यक्ति की संख्या का ज्ञान करा रहे हैं।

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्द की संख्या का बोध कराते हैं, **संख्यावाचक विशेषण** कहलाते हैं।

यह भी जानें

- संख्यावाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं–

1. **निश्चित संख्यावाचक विशेषण**–वे शब्द, जो संज्ञा या सर्वनाम की **निश्चित संख्या** का बोध कराते हैं।
   जैसे–मेज़ पर दस कटोरियाँ हैं। कक्षा में चालीस बच्चे हैं।
2. **अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण**– वे शब्द, जिनसे संज्ञा या सर्वनाम की **निश्चित संख्या** का बोध न हो।
   जैसे–मैदान में **कुछ** बच्चे खेल रहे हैं। पुस्तकालय में **बहुत-सी** पुस्तकें हैं।

परिमाणवाचक विशेषण

मैं **दो किलो** सेब लाया।

बोतल में **एक लीटर** दूध है।

मैंने **पाँच मीटर** कपड़ा खरीदा।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द किसी वस्तु की मात्रा व नाप–तोल का बोध करा रहे हैं।

ऐसे शब्द, जो किसी वस्तु की मात्रा व नाप–तोल का बोध कराते हैं, **परिमाणवाचक विशेषण** कहलाते हैं।

यह भी जानें

- परिमाणवाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं–

1. **निश्चित परिमाणवाचक विशेषण**– वे शब्द, जो किसी वस्तु की निश्चित मात्रा का बोध कराते हैं।
   जैसे– **दो किलो** चावल **दस किलो** गेहूँ **चार किलो** सेब
2. **अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण**– वे विशेषण शब्द, जिनसे किसी वस्तु की निश्चित मात्रा का बोध न हो। जैसे–मुझे **थोड़े-से** चावल दो। राजू ने दूध में **थोड़ी-सी** चीनी डाली।

सार्वनामिक विशेषण

ये आम बहुत मीठे हैं। **वह** खरगोश गाजर खा रहा है। **वे** बच्चे बहुत शरारती हैं।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'ये', 'वह' तथा 'वे' शब्द आम, गाजर एवं बच्चे की विशेषता बताने का काम कर रहे हैं।

जो सर्वनाम शब्द संज्ञा से पहले प्रयोग किए जाने पर विशेषण का कार्य करते हैं, उन्हें **सार्वनामिक विशेषण** कहते हैं।

सार्वनामिक विशेषण को **संकेतवाचक विशेषण** भी कहा जाता है।

अब हम जान गए–

- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
- जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, वे विशेष्य कहलाते हैं।
- विशेषण के चार भेद होते हैं–

विशेषण

- **गुणवाचक** (रूप, रंग, आकार का बोध कराते हैं)
- **संख्यावाचक विशेषण** (संज्ञा या सर्वनाम के शब्दों की संख्या के बारे में बताते हैं)
  - **निश्चित संख्यावाचक** (निश्चित संख्या का बोध कराते हैं)
  - **अनिश्चित संख्यावाचक** (अनिश्चित संख्या का बोध कराते हैं)
- **परिमाणवाचक विशेषण** (किसी वस्तु की मात्रा व नाप-तोल का बोध कराते हैं)
  - **निश्चित परिमाणवाचक** (निश्चित मात्रा का बोध कराते हैं)
  - **अनिश्चित परिमाणवाचक** (अनिश्चित मात्रा का बोध कराते हैं)
- **सार्वनामिक विशेषण** (संज्ञा से पहले आकर सर्वनाम शब्द विशेषण बन जाते हैं)

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. शेर के दाँत होते हैं–

   (क) नुकीले ◯ (ख) कोमल ◯ (ग) छोटे ◯

2. आम होता है–

   (क) मीठा ◯ (ख) कड़वा ◯ (ग) काला ◯

3. ज़िराफ की गरदन होती है।

   (क) लंबी ◯ (ख) छोटी ◯ (ग) काली ◯

4. नीम की दातुन होती है–

   (क) लाल ◯ (ख) कड़वी ◯ (ग) काली ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Bodily Kinesthetic
  शारीरिक क्षमताएँ

सोचो और बताओ–

1. **निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण व विशेष्य शब्दों की अलग-अलग सूची बनाइए–**

   काली बिल्ली, दो बच्चे, छोटा परिवार, साहसी बालिका, भारतीय नारी, बड़ा मैदान, स्वार्थी नेता, शरारती बच्चे, नुकीले दाँत, अनोखा चित्र।

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

2. **नीचे दिए गए चित्रों के लिए विशेषण शब्द लिखिए–**

रंग-बिरंगे फूल .... पानी .... घर .... तोता

3. **निम्नलिखित संज्ञा व सर्वनाम शब्दों के आगे उचित विशेषण शब्द लिखिए–**

.... पर्वत	.... रेगिस्तान	.... सड़क
.... कमीज़	.... लड़की	.... लड़का
.... पुलिस	.... चोर	.... किसान
.... चाँद	.... रसगुल्ला	.... फूल

खेल–खेल में–

1. **आओ खेलें–**

1	2	4	5
7	12	32	60

धरती	कान	दिशाएँ	पांडव
दिन	महीने	दाँत	मिनट

नियम– कक्षा के छात्रों को दो समूह में बाँटें। ऊपर दी गई तालिका को श्यामपट्ट पर लिखें।

- एक बच्चा कागज के आठ बराबर भाग करके उन पर तालिका में दिए गए अंक लिखे।
- कागज के आठों भागों की आठ पर्चियाँ बनाएँ। समूह का प्रत्येक छात्र एक पर्ची उठाकर उस पर लिखे अंक को पढ़े और उसके लिए शब्द ढूँढे। वह अंक किसी शब्द की ओर इशारा करेगा।
- सही उत्तर पर समूह को चार अंक दें। गलत उत्तर के दो अंक कम कर दें। सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाला समूह विजयी घोषित होगा।

2. **निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उचित विशेषण शब्दों पर गोला लगाइए–**

यह एक बिल्ली है। यह काली बिल्ली है।
इसकी आँखें छोटी हैं। इसकी लंबी पूँछ है।
इसके रोएँ बहुत रेशमी और मुलायम हैं।
यह ऊँचे पेड़ पर भी चढ़ सकती है।
यह मासूम पक्षियों एवं चूहों को खाती है।
यह देखने में भोली लगती है,
किंतु स्वभाव से चतुर होती है।

7 क्रिया

दिए गए चित्र में–

- शेर **दहाड़ रहा है**।
- पक्षी **उड़ रहे हैं**।
- बगुले मछलियाँ **खा रहे हैं**।
- पेड़ के पत्ते हवा से **हिल रहे हैं**।
- बंदर पेड़ों पर **कूद रहे हैं**।
- गिलहरी फल **कुतर रही है**।
- लोग जानवरों की फोटो **खींच रहे हैं**।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द किसी कार्य के होने या किसी कार्य को करने का बोध करा रहे हैं।

वे शब्द, जिनसे किसी कार्य के होने या करने का पता चलता है, वे **क्रिया शब्द** कहलाते हैं।

मेघा **सो रही है**।

रजत स्कूल **जा रहा है**।

हर्षा **नाच रही है**।

राजन **तैर रहा है**।

उपर्युक्त वाक्यों में सोना, जाना, नाचना और तैरना शब्द किसी न किसी कार्य के बारे में बता रहे हैं, ये सभी क्रिया शब्द हैं।

- क्रिया कभी एक शब्द में होती है, तो कभी एक से अधिक शब्दों में होती है।

यह पुस्तक **है**। (क्रिया एक शब्द में)

बच्चे **खेल रहे हैं**। (क्रिया एक से अधिक शब्दों में)

कार्तिक **खेल रहा है**। (कार्य हो रहा है) **– वर्तमान काल**

मैं कल बाज़ार **गया था**। (कार्य हो चुका है) **– भूत काल**

मोहन गाँव **जाएगा**। (कार्य होगा) **– भविष्यत् काल**

क्रिया के जिस रूप से कार्य होने के समय या काल का पता चलता है, उसे **क्रिया का काल** कहते हैं।

क्रिया दो प्रकार की होती है– **1. सकर्मक क्रिया** **2. अकर्मक क्रिया**

सकर्मक क्रिया

❖ मोहन सेब खाता है।

अत: इस वाक्य में कर्ता, कर्म व क्रिया तीनों हैं। कर्ता का पता लगाने के लिए वाक्य में 'कौन' जोड़कर प्रश्न करें। जैसे–कौन सेब खाता है? कर्म का पता लगाने के लिए वाक्य में 'क्या' जोड़कर प्रश्न करें। जैसे–मोहन क्या खाता है? वाक्य में खाने का कार्य हो रहा है, अत: यह क्रिया है।

जिस क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है, वह क्रिया **सकर्मक क्रिया** कहलाती है।

अकर्मक क्रिया

❖ बच्चा सो रहा है।

उपर्युक्त वाक्य में कर्ता व क्रिया तो है, परंतु कर्म का अभाव है। ऐसी क्रिया में कर्म नहीं होता।

अत: जिस क्रिया का फल कर्ता पर ही पड़े, वह क्रिया **अकर्मक क्रिया** कहलाती है।

यह भी जानें

- खाना, पढ़ना, पीना आदि सकर्मक क्रिया शब्द हैं जबकि रोना, सोना, हँसना, जागना, उठना, मुस्कुराना आदि अकर्मक क्रियाएँ हैं।
- क्रिया में क्या का उत्तर मिलने पर वहाँ सकर्मक क्रिया होती है उत्तर न मिलने पर वहाँ अकर्मक क्रिया होती है। जैसे–क्या खाता है। उत्तर है–सेब (सकर्मक) क्या सो रहा है? उत्तर नहीं है (अकर्मक)

अब हम जान गए–

- जब हम कोई कार्य करते हैं या किया जाता है, वह **क्रिया** कहलाता है।
- जिन क्रियाओं का प्रभाव कर्म पर पड़ता है, वे **सकर्मक क्रिया** कहलाती हैं।
- जिन क्रियाओं का प्रभाव कर्म पर नहीं पड़ता है, वे **अकर्मक क्रिया** कहलाती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. 'बच्चे गाँव के तालाब में **तैर रहे हैं**।' वाक्य में क्रिया का भेद है–

   (क) सकर्मक क्रिया ◯ (ख) अकर्मक क्रिया ◯ (ग) दोनों ◯

2. कल मेरी पुस्तक **खो गई**। वाक्य में 'खो गई' कौन-सी क्रिया है?

   (क) अकर्मक क्रिया ◯ (ख) सकर्मक क्रिया ◯ (ग) दोनों ◯

3. 'नैनसी **सो रही है**।' इस वाक्य में कौन-सी क्रिया है?

   (क) अकर्मक क्रिया ◯ (ख) सकर्मक क्रिया ◯ (ग) दोनों ◯

4. प्रदीप ने सुंदर कहानी **लिखी**। वाक्य में क्रिया का भेद है–

   (क) सकर्मक क्रिया ◯ (ख) अकर्मक क्रिया ◯ (ग) दोनों ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Spatial
  वास्तुकला
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

सोचो और बताओ–

1. **निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए और बताइए कि वह क्रिया अकर्मक है या सकर्मक?**

   (क) धोबी कपड़े धो रहा है। ....

   (ख) जोकर को देखकर सब हँसने लगे। ....

   (ग) इन फलों को सभी में बाँट दो। ....

   (घ) नेताजी ने सभा में भाषण दिया। ....

   (ङ) रमा ने मेज पर फूलदान रखा। ....

2. **उचित क्रिया पद छाँटकर रिक्त स्थानों में भरिए–**

   गिर गया, काट लिया, लगाए, पहने हुए थे, सोती हैं, भागते हैं, खाऊँगा

   (क) माली ने बाग में पौधे ....।

   (ख) बच्चे तितलियों के पीछे ....।

   (ग) भिखारी ने फटे कपड़े ....।

   (घ) बच्चा गड्ढे में ....।

   (ङ) मैं आइसक्रीम ....।

खेल-खेल में–

1. चित्र में कौन क्या कर रहा है? लिखकर बताइए।

....

....

....

....

....

....

2. आप पूरे दिन में क्या-क्या करते हैं? उसके सामने का गोला भरिए–

सोना	◯	खेलना	◯	खाना	◯
लड़ना	◯	पढ़ना	◯	नहाना	◯

3. आप कक्षा में एक दिन में कई कार्य करते हैं। वे सभी कार्य 'क्रिया शब्द' होते हैं। प्रतिदिन कक्षा में किए जाने वाले कार्य लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

8 क्रिया-विशेषण

भव्या **धीरे-धीरे** स्कूल जा रही थी। **अचानक** उसके सामने एक कार आ गई। कार **तेज़** गति से आई। भव्या **बहुत** डर गई। वह ज़ोर से चीखी। कार **जल्दी से** रुक गई। भव्या बच गई।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द क्रिया होने की गति को दर्शा रहे हैं। ये क्रिया के बारे में विशेष जानकारी दे रहे हैं।

वे शब्द, जो क्रिया की विशेषता बताते हैं, **क्रिया-विशेषण** कहलाते हैं।

क्रिया-विशेषण के भेदों को समझने के लिए चार प्रश्न मन में पूछिए– कैसे? कब? कहाँ? कितना? इनका जो उत्तर होता है, वही क्रिया-विशेषण का भेद बन जाता है।

क्रिया-विशेषण के भेद

- क्रिया संबंधी समय की विशेषता बताने वाले शब्द **कालवाचक क्रिया-विशेषण** कहलाते हैं। जैसे–कभी-कभी, कल-दिन भर, अब, प्रतिदिन, हमेशा आदि।

हम **प्रतिदिन** खाना खाते हैं।

बच्चे **बाहर** खेल रहे हैं।

- क्रिया संबंधी स्थान की विशेषता बताने वाले शब्द **स्थानवाचक क्रिया-विशेषण** कहलाते हैं। जैसे–इधर-उधर, चारों ओर, बाहर, भीतर, यहाँ, वहाँ, आगे, पीछे आदि।

❖ क्रिया संबंधी मात्रा की विशेषता बताने वाले शब्द **परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण** कहलाते हैं। जैसे—कम, अधिक, इतना, उतना, थोड़ा, बहुत, लगभग, काफी आदि।

राजन **बहुत** तेज़ दौड़ता है।

कछुआ **धीरे-धीरे** चलता है।

❖ क्रिया संबंधी विधि की विशेषता बताने वाले शब्द **रीतिवाचक क्रिया-विशेषण** कहलाते हैं। जैसे—जैसे-वैसे, बारी-बारी, जल्दी से, धीरे-धीरे आदि।

अब हम जान गए—

- क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया-विशेषण कहलाते हैं।
- क्रिया-विशेषण से क्रिया के समय, स्थान, मात्रा और विधि का पता चलता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए—

1. ''माँ धीरे-धीरे पंखा झलने लगी।' वाक्य में क्रिया-विशेषण शब्द है—
   (क) झलने लगी ◯ (ख) धीरे-धीरे ◯ (ग) पंखा ◯
2. 'केशव **कम** खाता है।' रंगीन पद क्रिया-विशेषण शब्द है—
   (क) परिमाणवाचक ◯ (ख) रीतिवाचक ◯ (ग) कालवाचक ◯
3. 'गरिमा अंदर आ गई।' वाक्य में 'अंदर' शब्द क्या है?
   (क) विशेषण ◯ (ख) क्रिया-विशेषण ◯ (ग) क्रिया ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Logical Mathematical
  तर्क बुद्धि
- Linguistic
  भाषायी योग्यता

सोचो और बताओ—

1. **सही क्रिया-विशेषण शब्द चुनकर वाक्य पूरा कीजिए—**

(क) हाथी .... चलता है। (धीरे-धीरे / ऊपर)

(ख) सभी बच्चे .... से आएँगे। (कल / दौड़कर)

(ग) बिजली .... चमक रही है। (तेज़ / नीचे)

2. नीचे दिए गए क्रिया-विशेषण शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) यहाँ – ....

(ख) खूब – ....

(ग) धीरे-धीरे – ....

(घ) बहुत – ....

(ङ) ज़रा -सा – ....

3. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया-विशेषण शब्दों पर ⬭ गोला लगाइए–

(क) हमें धीरे-धीरे चलना चाहिए।

(ख) राहुल कम बोलता है।

(ग) चूहा झटपट बिल में घुस गया।

(घ) आशा धीरे बोलती है।

(ङ) घड़ी धीरे-धीरे चल रही है।

खेल-खेल में–

1. नीचे दी गई वर्ग-पहेली में क्रिया-विशेषण शब्द छिपे हैं। उन्हें ढूँढकर लिखिए–

अ	क	ल	भी
भी	आ	कि	की
ते	ज़	ध	ध
त	धी	र	र
ब	रे	ब	ब

....

....

....

....

2. कक्षा में कुछ कार्ड क्रिया के और कुछ कार्ड क्रिया-विशेषण के बनाएँ। दोनों तरह के कार्ड मिलाकर एक टोकरी में रख दें। अब एक बच्चा आएगा और एक कार्ड उठाएगा। यदि पहला बच्चा क्रिया का कार्ड उठाता है, तो दूसरे बच्चे को क्रिया-विशेषण का वह कार्ड ढूँढकर निकालना होगा, जो उस क्रिया के साथ मेल खाता हो। यदि पहला बच्चा क्रिया-विशेषण का कार्ड उठाता है, तो दूसरे बच्चे को उससे मिलते-जुलते क्रिया शब्द का कार्ड उठाना होगा। इसी प्रकार सभी कार्ड से क्रिया तथा क्रिया-विशेषण का जोड़ा बन जाएगा।

9 वाक्य

आओ पढ़ें–

दोस्त अपने घर के राजन जा रहा था। नकुल में रास्ते मिला उसे। मिलकर दोनों के साथ में वे केशव को घर जाने गए हो तैयार।

बच्चों से जानें

- क्या आप इन वाक्यों को समझ पाए?
- क्या इनका कोई अर्थ है?
- क्या इन शब्दों का अलग-अलग कोई अर्थ है?

अब ज़रा इसे पढ़ें–

राजन अपने दोस्त के घर जा रहा था। उसे रास्ते में नकुल मिला। वे दोनों साथ में मिलकर केशव के घर जाने को तैयार हो गए।

पहले स्थान व दूसरे स्थान पर दिए गए वाक्यों में एक समान शब्दों का उपयोग किया गया है। अंतर केवल इतना है कि पहले वाक्यों में शब्दों को उचित क्रम व व्यवस्था नहीं दी गई, परंतु शब्दों का अलग-अलग अपना एक अर्थ है। जबकि दूसरी बार लिखे गए शब्द उचित क्रम व व्यवस्था में हैं, जिससे उनके अर्थ को समझना सरल हो गया है।

शब्दों के क्रमबद्ध और उचित अर्थ देने वाले (सार्थक) समूह को **वाक्य** कहते हैं।

अन्य उदाहरण भी देखिए–

घोड़ा सड़क पर दौड़ता है।

लड़का आसमान में पतंग उड़ा रहा है।

भिखारी भीख माँग रहा है।

अब हम जान गए–

- शब्दों के **क्रमबद्ध** और सार्थक समूह को **वाक्य** कहते हैं।
- शब्दों की उचित व्यवस्था वाक्य को उचित अर्थ प्रदान करती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

शुद्ध वाक्य का गोला (○) भरकर उत्तर दीजिए–

1. (क) चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर घूमता है। ○
   (ख) है घूमता चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर ○
   (ग) चारों ओर है चंद्रमा घूमता पृथ्वी के ○

2. (क) बादल देखते ही मोरनी नाचने लगा। ○
   (ख) काले-काले देखकर नाचने बादल लगा। ○
   (ग) मोर काले-काले बादल देखते ही नाचने लगा। ○

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम

सोचो और बताओ–

1. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए–

(क) थी बहुत में मेट्रो भीड़। ....

(ख) बैठ पर बाइक वह था गया। ....

(ग) सुनाया ने नीलू गाना। ....

2. निम्नलिखित वाक्यों में ऐसा कोई एक शब्द लगाइए, जिससे वाक्य शुद्ध हो जाए–

(क) बच्चों पतंग उड़ाई। ....

(ख) बच्चे को आम कर खिलाओ। ....

(ग) रचित पिताजी चले गए। ....

खेल-खेल में–

चित्र देखकर कुछ सार्थक वाक्य लिखिए–

....

....

....

....

....

....

10 विराम-चिह्न

हम बोलते समय बीच-बीच में कुछ देर के लिए रुकते हैं। कभी कम समय के लिए, तो कभी उससे अधिक समय के लिए। इससे भावों को समझने और समझाने में आसानी हो जाती है। जब हम इन भावों को लिखकर प्रकट करते हैं, तो वहाँ चिह्न लगाकर रुकने के संकेत दिए जाते हैं।

इन्हीं चिह्नों को 'विराम चिह्न' कहते हैं। नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए–

- रोको, मत जाने दो। (रुकने का संकेत)
- रोको मत, जाने दो। (जाने का संकेत)
- रोको मत जाने दो। (संकेत स्पष्ट नहीं है।)

ऊपर लिखे वाक्यों से स्पष्ट हो रहा है कि तीनों वाक्यों में शब्द वही हैं किंतु चिह्न का स्थान बदलने से या चिह्न न लगाने से उसके अर्थ पर प्रभाव पड़ रहा है।

लिखते समय वाक्यों में रुकने के लिए लगाए गए चिह्नों को **विराम चिह्न** कहते हैं।

हिंदी के प्रमुख विराम चिह्न –

पूर्ण विराम (।) – इस चिह्न का प्रयोग सामान्य वाक्य के अंत में किया जाता है। जैसे–

- मेरा नाम अलका है।
- मैं आदर्श नगर में रहती हूँ।

प्रश्नवाचक चिह्न (?) – इस चिह्न का प्रयोग उन वाक्यों के अंत में किया जाता है, जिनमें कोई प्रश्न पूछा जा रहा हो।

- आप क्या कर रहे हैं?
- क्या आप बाज़ार जाएँगी?

विस्मयादिबोधक चिह्न (!) – आश्चर्य, खुशी या दुख आदि के भाव प्रकट करने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

- आह! मज़ा आ गया।
- अरे! उसे बहुत चोट लगी है।

अल्प विराम (,) – बोलते समय या पढ़ते समय जहाँ कम समय के लिए विराम दिया जाता है वहाँ इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

- काकुल, मनन और नेहा घूमने गए हैं।
- राजन ने बाज़ार में खिलौने, गुब्बारे और फल खरीदे।

यह भी जानें

- हिंदी के अन्य विराम चिह्न भी होते हैं, जैसे–

(क) योजक चिह्न (-) जैसे–माता-पिता, दुख-सुख।

(ख) निर्देशक चिह्न (–) किसी कथन या संवाद को बताने में इसका प्रयोग होता है।
जैसे–राहुल–सीमा, तुम कहाँ जा रही हो?

(ग) उद्धरण चिह्न (‘ ’ तथा “ ”) किसी वाक्य में, स्थान या कवि को विशेष रुप से दिखाने के लिए इकहरे उद्धरण (‘ ’) का प्रयोग होता है जबकि किसी व्यक्ति का पूरा कथन या संवाद दिखाने के लिए दोहरे उद्धरण (“ ”) का प्रयोग होता है।

जैसे– इकहरा उद्धरण = रामचरित मानस के रचयिता ‘तुलसीदास’ हैं।
दोहरा उद्धरण = दयानंद सरस्वती ने कहा–“वेदों की ओर लौटो।”

अब हम जान गए–

- पढ़ते और लिखते समय वाक्य में रुकने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें **विराम चिह्न** कहते हैं।
- इन्हें बोलते या लिखते समय भाषा या भाव को समझने में आसानी होती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

वाक्यों में प्रयुक्त रंगीन विराम चिह्न पहचानकर सही उत्तर वाले विकल्प का गोला (◯) भरिए–

1. आप क्या कर रहे हैं?

   (क) पूर्ण विराम ◯ (ख) अल्प विराम ◯ (ग) प्रश्नवाचक ◯

2. राजा ने कहा–"वह घूमने जाएगा।"

   (क) उद्धरण चिह्न ◯ (ख) विस्मयादिबोधक ◯ (ग) अल्प विराम ◯

3. मुझे, टॉफी, चॉकलेट, केक और पिज़्ज़ा चाहिए।

   (क) पूर्ण विराम ◯ (ख) अल्प विराम ◯ (ग) दोनों ◯

4. नीरज घर गया।

   (क) विस्मयादिबोधक ◯ (ख) अल्प विराम ◯ (ग) पूर्ण विराम ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Spatial
  वास्तुकला

सोचो और बताओ–

1. उचित विराम चिह्न बनाइए–

प्रश्नवाचक		उद्धरण	
अल्प विराम		विस्मयादिबोधक	

2. नीचे दिए गए चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

(।) – ....

(?) – ....

(!) – ....

(,) – ....

खेल-खेल में–

1. कक्षा को 4-5 समूहों में बाँटिए। प्रत्येक समूह को एक-एक विराम चिह्न दें। प्रत्येक समूह अपने को मिले विराम चिह्न से संबंधित ज़्यादा से ज़्यादा वाक्यों का निर्माण करेगा।

   इस प्रकार से विराम चिह्नों व समूहों को बदलें और वाक्यों की एक सूची तैयार कर लें।

2. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए और वाक्यों में छूटे उचित विराम चिह्नों को लगाइए–

एक बार की बात है आशा और चंदा पार्क में घूमने गईं पार्क में वे फिसलपट्टी पर चढ़तीं और सर्र से फिसलकर आ जातीं फिर वे झूलने लगीं पार्क में और भी बच्चे घूम रहे थे कोई गेंद से खेल रहा था तो कोई भाग रहा था तभी आशा ने कहा चंदा वह देखो जामुन का पेड़ कहाँ चंदा ने पूछा दाईं तरफ़ देखो कितने सारे जामुन लगे हैं चलो जामुन खाते हैं आशा ने कहा चंदा ने पूछा हम जामुन कैसे तोड़ेंगे फिर दोनों ने खूब सोचा तभी आशा को एक उपाय सूझा वे जामुन के पेड़ के नीचे लगे सी–साँ पर खड़ी हो गईं एक नीचे जाती तो दूसरी ऊपर फिर दूसरी नीचे जाती तो पहली ऊपर बस ऐसे ही बारी–बारी से ऊपर नीचे जातीं और जामुन तोड़ लेतीं दोनों ने जी भरकर जामुन खाए।

11 मुहावरे

चोर पुलिस को देखकर भाग गया।

चोर पुलिस को देखकर **नौ दो ग्यारह हो गया**।

नमन मैच जीतकर बहुत खुश हुआ।

नमन मैच जीतकर **फूला न समाया**।

तुषार को बहुत भूख लग रही है।

तुषार के **पेट में चूहे कूद रहे हैं**।

पापा झूठी बात सुनकर क्रोधित हो गए।

पापा झूठी बात सुनकर **लाल-पीले हो गए**।

ऊपर प्रत्येक चित्र के साथ दो-दो वाक्य दिए गए हैं। दोनों वाक्यों का अर्थ भी एक ही है, किंतु रंगीन शब्दों वाले वाक्यांश के प्रयोग से भाषा और भी अधिक सुंदर एवं प्रभावशाली हो गई है। रंगीन वाक्यांश का अर्थ भी शब्दों के अर्थ से अलग निकल रहा है।

जैसे– नौ दो ग्यारह होना – भाग जाना।

फूला न समाना – बहुत खुश होना।

पेट में चूहे कूदना – बहुत भूख लगना।

लाल-पीला होना – क्रोधित होना।

ऐसे वाक्यांश या शब्दों का समूह, जिनका शाब्दिक अर्थ न होकर अलग अर्थ होता है, **मुहावरा** कहलाता है।

यह भी जानें

- मुहावरे वाक्य के अंश के रूप में होते हैं तथा उनका अर्थ शब्दों के अनुसार नहीं होता है।
- मुहावरे में प्रयुक्त शब्दों के स्थान पर उनका अन्य कोई समानार्थी या पर्यायवाची शब्द नहीं आ सकता है क्योंकि उनका अर्थ अलग ही होता है।

कुछ प्रमुख मुहावरे–

मुहावरा		अर्थ
हाथ साफ़ करना	–	चोरी करना
हथियार डालना	–	हार स्वीकार करना
चिकना घड़ा	–	बेअसर (जिस पर किसी बात का असर न हो)
हिम्मत न हारना	–	जी जान से मेहनत करना
फूला न समाना	–	बहुत खुश होना
आँखें फेर लेना	–	बदल जाना
किस्मत चमकना	–	भाग्य खुलना
मुँह में पानी आना	–	जी ललचाना
अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	–	स्वयं अपनी तारीफ़ करना
ठान लेना	–	दृढ़ निश्चय करना
अंधे की लकड़ी	–	एक मात्र सहारा
हड्डियाँ निकल आना	–	बहुत कमज़ोर होना
दंग रह जाना	–	चकित रह जाना
मन मोह लेना	–	मन मुग्ध कर देना
अँगूठा दिखाना	–	किसी काम के लिए मना कर देना
आँखों में चमक आना	–	खुश दिखाई देना
अपना-सा मुँह लेकर रह जाना	–	लज्जित होना
उँगली उठाना	–	दोष लगाना
कान पकड़ना	–	माफ़ी माँगना
मोती जैसे अक्षर होना	–	सुंदर लेख होना
गले का हार होना	–	बहुत प्यारा होना

चार चाँद लगाना	–	सुंदरता बढ़ाना
दाँत खट्टे करना	–	बुरी तरह हराना
बाग-बाग होना	–	बहुत प्रसन्न होना
हाथ बँटाना	–	मदद करना
होश उड़ जाना	–	डर जाना
जी चुराना	–	काम में रुचि न लेना
आँख लगना	–	नींद आना
आशा बँधना	–	उम्मीद होना

अब हम जान गए–

- मुहावरा वाक्यांश होता है, वाक्य नहीं।
- मुहावरे का अर्थ प्रयुक्त शब्दों के आधार पर नहीं होता है बल्कि उसका विशेष अर्थ होता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित मुहावरों के सही अर्थ का गोला (◯) भरकर उत्तर दीजिए–

1. हाथ साफ़ करना
   (क) सफ़ाई करना ◯ (ख) तैयार हो जाना ◯
   (ग) दंड देना ◯ (घ) चुरा लेना ◯
2. हथियार डालना
   (क) युद्ध से डर जाना ◯ (ख) डर जाना ◯
   (ग) पराजय स्वीकार कर लेना ◯ (घ) घबरा जाना ◯
3. चिकना घड़ा
   (क) बहुत सुंदर ◯ (ख) बेअसर ◯
   (ग) बहुत मूर्ख ◯ (घ) चतुर ◯
4. आँखें फेर लेना
   (क) दुश्मनी करना ◯ (ख) ध्यान न देना ◯
   (ग) सहायता न करना ◯ (घ) बदल जाना ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Intra Personal
  अपनी क्षमताओं की पहचान
- Bodily Kinesthetic
  शारीरिक क्षमताएँ

सोचो और बताओ–

1. **निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

   (क) हिम्मत न हारना – ....

   (ख) किस्मत चमकना – ....

   (ग) ठान लेना – ....

   (घ) हड्डियाँ निकल आना – ....

2. **निम्नलिखित मुहावरों में से उचित मुहावरा चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए–**

   फूला न समाया, मन मोह लिया, दंग रह गई, पानी आ गया

   (क) अक्षरधाम मंदिर की सुंदरता ने मेरा .... ।

   (ख) वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाकर मैं .... ।

   (ग) आकांक्षा द्वारा बनाए गए सूर्योदय के दृश्य को देखकर मैं .... ।

   (घ) मेज़ पर चॉकलेट देखकर रोहन के मुँह में .... ।

खेल-खेल में–

1. **शरीर के अंगों के नाम वाले कोई दो मुहावरे लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।**

मुहावरा	वाक्य
....	....
....	....

2. **नीचे लिखी कहानी पढ़िए और उसमें प्रयोग हुए मुहावरे वाले वाक्यांशों पर गोला (◯) लगाइए।**

एक लोमड़ी भूखी-प्यासी थी। कई दिनों से उसे शिकार नहीं मिला था। उसके पेट में चूहे कूद रहे थे। उसने ठान लिया कि आज वह कोई न कोई गोटी ज़रूर फिट करेगी। उसने अचानक सामने से एक खरगोश आता देखा। उसे देखकर उसके मुँह में पानी आ गया। लोमड़ी को लगा कि आज तो मेरी चाँदी हो गई है। उसने खरगोश से कहा–"भैया! तुम मेरी आँख का तारा हो। तुम तो ईद के चाँद हो गए हो। मैं न जाने कब से तुम्हारी राह में आँखें बिछाए खड़ी हूँ।" खरगोश ने कहा–"लोमड़ी दीदी! मुझे मालूम है कि तुम मेरा दायाँ हाथ हो। मगर आज तो मेरा पेट चल रहा है। ठीक होने के बाद मैं तुम्हारे दर्शन ज़रूर करूँगा।" इतना कहकर खरगोश नौ-दो ग्यारह हो गया। लोमड़ी मुँह फुलाकर बैठ गई।

12 शब्द भंडार

विलोम शब्द

रात में तारे टिमटिमाते हैं।

दिन में सूरज चमकता है।

मुझे गरम चाय दो।

उसे ठंडी बर्फ़ दो।

पेड़ के ऊपर बंदर है।

मेज़ के नीचे बिल्ली है।

उपर्युक्त वाक्यों में **रात-दिन**, **गरम-ठंडा**, **ऊपर-नीचे** ऐसे शब्द हैं, जो एक-दूसरे से उल्टा (विपरीत) अर्थ दे रहे हैं। इस प्रकार के शब्दों को 'विलोम शब्द' या 'विपरीतार्थक शब्द' कहते हैं।

बच्चों से जानें

- कक्षा में ऐसा क्या है, जो एक-दूसरे से उल्टा है?
  जैसे– बड़ा दरवाज़ा – छोटी खिड़की, काला श्यामपट्ट – सफ़ेद चॉक
- ऐसे अन्य शब्द, जिनके बारे में बच्चे जानते हैं, आप बच्चों से जानें।

कुछ प्रमुख विलोम शब्द निम्नलिखित हैं–

कठिन	–	सरल
अँधेरा	–	उजाला
आदर	–	अनादर
अमृत	–	विष
क्रय	–	विक्रय
काला	–	सफ़ेद
विद्वान	–	मूर्ख
तुच्छ	–	महान
प्राचीन	–	नवीन
एक	–	अनेक
स्वस्थ	–	अस्वस्थ
खरीदना	–	बेचना
सम	–	विषम
सुस्ती	–	चुस्ती
पुरस्कार	–	दंड
जोड़ना	–	तोड़ना
छूत	–	अछूत
ऊँच	–	नीच
बदबू	–	खुशबू

आशा	–	निराशा
पक्का	–	कच्चा
बुरा	–	भला
जड़	–	चेतन
उतार	–	चढ़ाव
उचित	–	अनुचित
उपस्थित	–	अनुपस्थित
मानव	–	दानव
हर्ष	–	शोक
उदय	–	अस्त
पाप	–	पुण्य
आस्तिक	–	नास्तिक
सुंदर	–	कुरूप
अपना	–	पराया
हिंसा	–	अहिंसा
धर्म	–	अधर्म
बच्चा	–	बूढ़ा
आय	–	व्यय
नया	–	पुराना

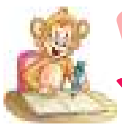

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित शब्दों के उचित विलोम शब्द वाले विकल्प का (○) गोला भरिए–

1.	**हिंसा**	–	नास्तिक	○	बूढ़ा	○	अहिंसा	○
2.	**पुरस्कार**	–	पुण्य	○	दानव	○	दंड	○
3.	**प्रतिकूल**	–	अनुकूल	○	सफ़ेद	○	नवीन	○
4.	**व्यय**	–	चेतन	○	मित्र	○	आय	○

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम

सोचो और बताओ–

निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) पूरब – ....

पश्चिम – ....

(ख) बढ़ना – ....

घटना – ....

(ग) सौभाग्य – ....

दुर्भाग्य – ....

(घ) आय – ....

व्यय – ....

खेल-खेल में–

कविता पढ़कर रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

ऐसे सूरज **आता** है,
पूरब का दरवाजा खोल,
धीरे-धीरे सूरज गोल,
लाल रंग **बिखराता** है
ऐसे सूरज **बढ़ता** है।

जागती हैं चिड़ियाँ सारी
खिलती हैं कलियाँ प्यारी,
दिन सीढ़ी पर **चढ़ता** है,
सूर्योदय यूँ होता है
ऐसे सूरज **आता** है

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

पर्यायवाची शब्द

एक दिन शाम को खुशी, रीना और हर्षा घर के बाहर आँगन में खेल रही थीं। तभी अचानक बिजली कड़की और बादल बरसने लगे। तीनों लड़कियाँ अपने सारे खिलौने छोड़कर घर के अंदर भाग गईं और घर की खिड़की से बारिश का मज़ा लेने लगीं।

हर्षा ने कहा–"देखो, कितनी छोटी-छोटी **बरसात** की बूँदें हैं।"

रीना ने कहा–"हाँ हर्षा, और जब **बारिश** की बूँदें पत्तों पर गिरती हैं, तो और भी सुंदर लगती हैं।"

खुशी ने कहा–"तुम दोनों ठीक कह रही हो। **वर्षा** का मौसम होता ही इतना प्यारा है कि चारों ओर सुंदरता फैल जाती है।"

इतना कहकर तीनों फ़िर से बारिश देखने लगीं और उसके रुकने का इंतज़ार करने लगीं ताकि वे फ़िर से बाहर खेलने जा सकें।

बच्चों से जानें

- तीनों लड़कियों ने बारिश के लिए किन-किन शब्दों का प्रयोग किया?
- क्या इनका समान अर्थ है या अलग-अलग अर्थ है?

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्दों का अर्थ समान है। बारिश, वर्षा और बरसात तीनों एक समान अर्थ देने वाले शब्द हैं।

एक समान या एक जैसा अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों को **समानार्थी** या **पर्यायवाची शब्द** कहते हैं।

कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित हैं–

जल	–	नीर, पानी, अंबु, सलिल	पक्षी	–	पंछी, खग, विहग
फूल	–	पुष्प, कुसुम, सुमन	माता	–	माँ, मैया, जननी, अंबा
स्त्री	–	नारी, महिला, औरत	हवा	–	वायु, पवन, समीर
पृथ्वी	–	भू, भूमि, धरा, धरती	मित्र	–	सखा, दोस्त, साथी
उपवन	–	बाग, बगीचा, उद्यान, वाटिका	आसमान	–	नभ, गगन, आकाश
सुबह	–	भोर, सवेरा, प्रातः	घर	–	गृह, सदन, भवन
सूरज	–	सूर्य, रवि, दिनकर	आँख	–	नेत्र, चक्षु, नयन
शरीर	–	तन, देह, काया	संसार	–	दुनिया, जगत, विश्व
पेड़	–	वृक्ष, तरु, पादप, विटप	गुरु	–	शिक्षक, आचार्य, अध्यापक
बंदर	–	वानर, कपि, मरकट	रात	–	रात्रि, निशा, रजनी
कपड़ा	–	वस्त्र, वसन, परिधान	हाथी	–	कुंजर, गज, हस्ती, मतंग
अँधेरा	–	अँधकार, तम, तिमिर	अमृत	–	पीयूष, सुधा, सोम
अग्नि	–	आग, अनल, पावक	ईश्वर	–	भगवान, प्रभु, देव, स्वामी
कमल	–	पंकज, जलज, राजीव, सरोज	इच्छा	–	अभिलाषा, कामना, लालसा
सोना	–	स्वर्ण, कनक, हेम	भौंरा	–	भ्रमर, अलि, मधुप
तीर	–	बाण, शर, सायक	दूध	–	दुग्ध, पय, क्षीर

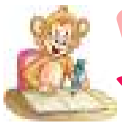

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित वाक्यों के रंगीन शब्द के समान अर्थ देने वाले शब्द का गोला (○) भरिए–

1. सुलोचना के **नेत्र** बहुत ही सुंदर हैं।

   (क) नासिका ○ (ख) आँखें ○ (ग) मीन ○

2. कल **रात** बहुत तेज़ बारिश हुई।

   (क) साँझ ○ (ख) दिन ○ (ग) रात्रि ○

3. **भगवान** सबकी मदद करते हैं।

   (क) ईश्वर ○ (ख) बाग ○ (ग) स्वर्ग ○

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम

4. हमें अपने गुरु का सदैव सम्मान करना चाहिए।

(क) आचार्य ◯ (ख) दीपक ◯ (ग) भोर ◯

सोचो और बताओ–

1. **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–**

बंदर – ....

कपड़ा – ....

संसार – ....

अमृत – ....

दूध – ....

2. **निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–**

भौंरा – ....

मछली – ....

इच्छा – ....

रात – ....

खेल-खेल में–

निम्नलिखित कविता में रंगीन छपे शब्दों के सही पर्यायवाची शब्द लिखिए–

फूलों से नित हँसना सीखो, ...
भौंरों से नित गाना। ....
पेड़ों की डाली से सीखो, ...
सबको **सीस** झुकाना। ....
सीख **हवा** के झोंकों से लो, ...
कोमल भाव बहाना। ....
दूध तथा **पानी** से सीखो, ...
मिलना और मिलाना। ....

अनेकार्थक शब्द

निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए–

मंगल के दिन नमन मंगल पर जाएगा।　　　　उसके कुल में कुल दस लोग हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्दों का दो बार प्रयोग किया गया है, परंतु दोनों बार शब्द अलग अर्थ दे रहा है।

जैसे– मंगल के दिन नमन मंगल पर जाएगा।　　　　उसके कुल में कुल दस लोग हैं।

मंगलवार (सप्ताह का एक दिन)　(मंगल ग्रह)　　　　(वंश)　(जोड़)

ऐसे शब्द, जो एक से अधिक अर्थों को बताते हैं, **अनेकार्थक शब्द** कहलाते हैं।

कुछ प्रमुख अनेकार्थक शब्द निम्नलिखित हैं–

जगत	संसार, जगत, कुएँ का चबूतरा	फल	नतीजा, केला, सेब आदि
भेंट	उपहार, मुलाकात	घटना	हादसा, कम होना
कल	मशीन, बीता हुआ व आने वाला दिन	मन	दिल, चालीस किलो
नाना	माँ के पिता जी, कई प्रकार के	घटा	बादल, कम हुआ
आम	एक प्रकार के फल, सामान्य	तीर	बाण, किनारा
आँचल	क्षेत्र, ओढ़नी(साड़ी या दुपट्टे का पल्लू)	उत्तर	एक दिशा, जवाब, बाद में
घर	गृह, कोई बात मन में बैठ जाना	पत्र	पत्ता, चिठ्ठी
पर	पंख, किंतु, ऊपर	हार	आभूषण, हार जाना
पट	कपड़ा, दरवाजा	जल	पानी, जलना
प्रकृति	स्वभाव, कुदरत	वर्ण	अक्षर, रंग
पूर्व	पहले, एक दिशा (पूरब)	मगर	परंतु, मगरमच्छ
चोटी	बालों की लट, पर्वत का शिखर	कर	हाथ, टैक्स, किरण

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्द के सही अर्थ वाले विकल्प का गोला (◯) भरिए–

1. इस **जगत** में तरह-तरह के प्राणी हैं।

   (क) संसार ◯ (ख) कुएँ का चबूतरा ◯ (ग) दोनों ◯

2. चिड़ियाघर में **नाना** प्रकार के जीव-जंतु हैं।

   (क) अनेक ◯ (ख) माँ के पिता जी ◯ (ग) दोनों ◯

3. कल मैंने अपने मित्र से **भेंट** की।

   (क) उपहार ◯ (ख) मुलाकात ◯ (ग) दोनों ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Spatial
  वास्तुकला

सोचो और बताओ–

निम्नलिखित शब्दों के अलग-अलग अर्थ के अनुसार वाक्य बनाइए–

पूर्व < ....
....

उत्तर < ....
....

खेल-खेल में–

1. नीचे लिखे शब्दों का अलग-अलग अर्थ में प्रयोग करते हुए संवाद लिखिए–

फल — नतीजा, सेब, केला

पत्र — चिट्ठी, पत्ता

नयन – माँ, आपके नयन बहुत सुंदर हैं।

माँ – ....

नयन – ....

माँ – ....

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए और रंगीन लिखे अक्षरों के अर्थ को समझिए–

नदी के **कूल** पर **कुल** दो बगुले हैं।

बच्चा **हंस** को देखकर **हँस** रहा है।

ऊपर दिए गए दोनों वाक्यों में ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया है, जो सुनने में एक जैसे प्रतीत होते हैं, परंतु उनके अर्थ भिन्न होते हैं। जैसे– कुल – मात्रा हंस – एक पक्षी

कूल – किनारा हँस – हँसने की क्रिया

ये चारों शब्द श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द हैं। श्रुतिसम का अर्थ है– जो सुनने में समान लगे और भिन्नार्थक का अर्थ है– भिन्न अर्थ रखने वाले।

ऐसे शब्द, जो सुनने में लगभग एक समान होते हैं, परंतु उनके अर्थ अलग होते हैं, **श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द** कहलाते हैं।

कुछ श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द–

दिन – दिवस दीन – गरीब	हंस – एक पक्षी हँस – हँसना	शोक – दुख शौक – आदत, रुचि
ओर – तरफ़ और – तथा	जरा – बुढ़ापा ज़रा – थोड़ा	निधन – मृत्यु निर्धन – गरीब
ग्रह – नक्षत्र, तारे गृह – घर	वात – वायु बात – बातचीत	अपकार – बुरा करना उपकार – भला करना
चालक – वाहन चलाने वाला चालाक – चतुर	बल – ताकत बाल – केश	दीया – दीपक दिया – देना
असमान – जो एक जैसा न हो आसमान – आकाश	किला – दुर्ग, गढ़ कीला – खूँटा	अवधि – समय अवधी – भाषा

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. 'गरीब' शब्द का अर्थ है–

(क) दिन ◯ (ख) दीन ◯ (ग) दोनों ◯

2. 'तथा' शब्द के लिए प्रयोग होने वाला शब्द होगा–

(क) ओर ◯ (ख) और ◯ (ग) दोनों ◯

3. गाड़ी चलाता है–

(क) चालाक ◯ (ख) चालक ◯ (ग) दोनों ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Spatial
  वास्तुकला

सोचो और बताओ–

1. **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए–**

(क) ग्रह – ....

गृह – ....

(ख) अपकार – ....

उपकार – ....

(ग) कि – ....

की – ....

2. **उचित शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(क) मेरे चाचा जी ने मुझे दीपावली पर .... लाकर ....। (दीया/दिया)

(ख) वह .... बहुत .... है। (चालक/चालाक)

(ग) एक .... मैंने एक .... व्यक्ति देखा। (दीन/दिन)

खेल-खेल में–

कक्षा को दो समूहों में बाँटो। पहला समूह श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों के कुछ वाक्य बोलेगा। अन्य समूह को उस शब्द को लिखना होगा और उसका अर्थ भी बताना होगा। जो समूह सबसे ज्यादा सही जवाब देगा, वह विजेता होगा।

समूहवाची शब्द

निम्नलिखित चित्रों को ध्यान से देखिए–

भीड़

बहुत सारे मनुष्यों का समूह

गुच्छा

बहुत सारी चाबियों का समूह

बच्चों को चित्र दिखाकर पूछें कि यह क्या हैं? जैसे–बहुत सारे मनुष्यों के समूह को बच्चे कहेंगे–'भीड़' और चाबियों के समूह को कहेंगे–'गुच्छा'।

अलग-अलग वस्तुओं के समूह के लिए कुछ विशेष शब्द प्रचलित हैं, जिनका प्रयोग किसी दूसरे के लिए नहीं किया जा सकता। ऐसे शब्दों को **समूहवाची शब्द** कहते हैं।

कुछ प्रमुख समूहवाची शब्द निम्नलिखित हैं–

मनुष्यों की	–	भीड़	मधुमक्खियों का	–	छत्ता
पर्वतों की	–	शृंखला	भेड़-बकरियों की	–	रेवड़
जूतों का	–	जोड़ा	खिलाड़ियों / डॉक्टरों की	–	टीम
फूलों का	–	गुलदस्ता	लकड़ियों / कपड़ों का	–	गट्ठर
नोटों की	–	गड्डी	सेना की	–	टुकड़ी
घुड़सवारों का	–	दल	यात्रियों का	–	समूह

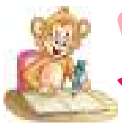

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. 'नोटों के समूह' को कहते हैं–

(क) गड्डा ◯ (ख) गट्ठर ◯ (ग) गड्डी ◯

2. 'भेड़-बकरियों का समूह' कहलाता है–

(क) टुकड़ी ◯ (ख) रेवड़ ◯ (ग) समूह ◯

3. 'घुड़सवारों का समूह' कहलाता है–

(क) दल ◯ (ख) टीम ◯ (ग) मंडली ◯

4. 'मधुमक्खियों का झुंड' कहलाता है–

(क) जोड़ ◯ (ख) शृंखला ◯ (ग) छत्ता ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Naturalistic
  प्रकृति-प्रेम

सोचो और बताओ–

सही जोड़े मिलाइए–

गड्डी	जूतों का
छत्ता	खिलाड़ियों की
जोड़ा	घुड़सवारों का
गुलदस्ता	सेना की
टीम	फूलों का
टुकड़ी	मधुमक्खियों का
दल	नोटों की

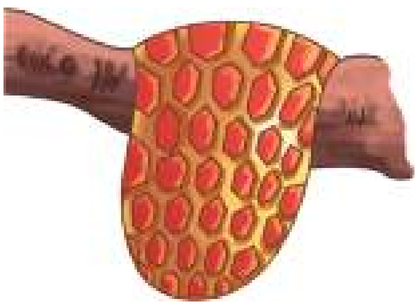

खेल-खेल में–

नीचे दी गई वर्ग पहेली में से समूहवाची शब्दों को ढूँढकर लिखिए–

भीड़
....
....
....
....
....
....
....

ण	व	भी	ड़	टु	ङ
मं	ड	ली	प	क	टी
रे	व	ड़	छ	ड़ी	म
ट	शृं	फ	त्ता	म	ल
व	ख	भ	च	द	ल
जो	ला	स	मू	ह	घ
ड़ा	च	न	ग	ड्	डी

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द या वाक्यांश के लिए एक शब्द

यह **मिट्टी के बरतन बनाता** है। (यह **कुम्हार** है।)

नवीन के **माता पिता नहीं** है। (नवीन **अनाथ** है।)

यह पत्रिका **सप्ताह में एक बार** छपती है। (यह **साप्ताहिक** पत्रिका है।)

उपर्युक्त वाक्यों को ध्यान से पढ़िए। वाक्यों में एक ही बात को दो प्रकार से कहा गया है। कोष्ठक में वाक्य को छोटा करके कम शब्दों में कहा गया है।

जैसे–मिट्टी के बरतन बनाने वाले के स्थान पर 'कुम्हार' शब्द का प्रयोग किया गया है।

यदि अपनी बात कम से कम शब्दों में कही जाए, तो वह सुनने व लिखने में अधिक सुंदर व प्रभावी लगती है।

ऐसे बहुत से शब्द हैं, जिन्हें वाक्य को सुंदर और प्रभावी बनाने के लिए अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है। जैसे–

जिसका कोई आकार न हो	–	निराकार	जिसका कोई आकार हो	–	साकार
जो आकाश में उड़ता है	–	नभचर	जिसमें कम बल हो	–	दुर्बल
जो अपने देश का हो	–	स्वदेशी	जो खेती करता है	–	किसान
जो मिट्टी के बरतन बनाता है	–	कुम्हार	जो सोने के गहने बनाता है	–	सुनार
जो लोहे के औजार बनाता है	–	लुहार	देश-विदेश में घूमने वाला	–	पर्यटक
जो प्रशंसा के योग्य हो	–	प्रशंसनीय	जिसका कोई अंग खराब हो	–	विकलांग

जिसके माता–पिता न हों	– अनाथ	अत्याचार करने वाला	– अत्याचारी
हानि पहुँचाने वाला	– हानिकारक	जिसमें रस न हो	– नीरस
जो कड़वा बोलता हो	– कटुभाषी	जो मीठा बोलता हो	– मृदुभाषी
दूसरों का भला करने वाला	– परोपकारी	जो देखने योग्य हो	– दर्शनीय
जिसमें कोई गुण न हो	– निर्गुण	जो कम बोलता हो	– मितभाषी
जानने की इच्छा रखने वाला	– जिज्ञासु	जिसका कोई अंत न हो	– अनंत
ज़मीन पर चलने वाला	– थलचर	जल में विचरण करने वाला	– जलचर
वर्ष में एक बार होने वाला	– वार्षिक	जिसमें स्वार्थ की भावना हो	– स्वार्थी
जिसका कोई परिचय न हो	– अपरिचित	सप्ताह में एक बार होने वाला	– साप्ताहिक

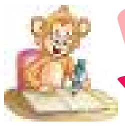

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक उचित शब्द का गोला (◯) भरिए–

1. जिसमें कोई गुण न हो–

(क) अगुण ◯ (ख) सगुण ◯ (ग) निर्गुण ◯

2. जल में विचरण करने वाला–

(क) जलज ◯ (ख) जलचर ◯ (ग) जलजात ◯

3. जो मीठा बोलता है–

(क) मधुरवानी ◯ (ख) मृदुभाषी ◯ (ग) मिठाई ◯

4. अत्याचार करने वाला–

(क) अत्याचारी ◯ (ख) दुराचारी ◯ (ग) विज्ञानी ◯

5. जिसके माता–पिता न हों–

(क) मातृहीन ◯ (ख) पिताहीन ◯ (ग) अनाथ ◯

6. वर्ष में एक बार होने वाला–

(क) पाक्षिक ◯ (ख) वार्षिक ◯ (ग) मासिक ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Logical Mathematical
  तर्क बुद्धि

सोचो और बताओ–

1. **रंगीन छपे शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–**

(क) हर्ष बहुत **ज़्यादा बोलता** है। ....

(ख) **नीचे लिखा हुआ** वाक्य ध्यान से पढ़िए। ....

(ग) सलमान खान **लोगों में प्रिय** अभिनेता हैं। ....

(घ) पलक द्वारा बनाया गया चित्र **प्रशंसा के योग्य** है। ....

(ङ) हरवीर के दादा जी **पुराने विचारों में विश्वास रखते** हैं। ....

2. **निम्नलिखित शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्यांश के सामने लिखिए–**

निराकार, लुहार, विकलांग, अद्वितीय, मितभाषी

(क) जिसका कोई अंग खराब हो ....

(ख) जिसके समान कोई दूसरा न हो ....

(ग) जो लोहे के औज़ार बनाता है ....

(घ) जिसका कोई आकार न हो ....

(ङ) जो कम बोलता है ....

खेल-खेल में–

1. **चित्रों को एक शब्द दीजिए–**

चोरी करने वाला

....

पूजा करने वाला

....

इलाज करने वाला

....

सेवा करने वाला

....

बहुत बोलने वाला

....

गाड़ी चलाने वाला

....

13 रचनात्मक गतिविधियाँ

चित्र वर्णन

1. यह चित्र होली के त्योहार का है। चित्र में बच्चे होली खेल रहे हैं। मैदान में चारों ओर रंग बिखरा हुआ है। आसमान में पक्षी उड़ रहे हैं। बच्चे बाल्टी में रंग डाल कर एक-दूसरे पर डाल रहे हैं। सभी बच्चे बहुत आनंद और उत्साह के साथ होली का त्योहार मना रहे हैं।

2. एक दिन की बात है। चंदन वन में बहुत गरमी पड़ी। सरोवर सूखने लगा। सरोवर में एक कछुआ रहता था। वह परेशान हो गया। सरोवर के पास दो हंस भी रहते थे। हंसों ने सोचा कि अब कहीं दूसरी जगह चलते हैं, जहाँ हमें पानी मिल सके। एक हंस ने कहा, "हम नंदन वन की तरफ़ चलते हैं।" दूसरे ने भी कहा, "ठीक है, पर उस कछुए का क्या होगा?" दोनों ने उपाय सोचा। एक डंडी ली, किनारों से उसे पकड़ा और कछुए ने वह डंडी मुँह से पकड़ ली। उसने रास्ते में उड़ते हुए नीचे कुछ लोगों को हँसते हुए देखा। वह भी हँसने लगा। उसका मुँह खुला। डंडी छूट गई और वह गिर पड़ा।

3. यह चित्र पहाड़ों का है। हरे-भरे पेड़ों के ऊपर सफ़ेद बर्फ़ ज़मी हुई है। पहाड़ बर्फ़ से ढका हुआ है। बच्चे बर्फ़ के गोले बनाकर एक-दूसरे के ऊपर फेंक रहे हैं। सभी बच्चे बहुत खुश हैं। कुछ बच्चे बर्फ़ का आदमी बना रहे हैं। कुछ लोग घूम रहे हैं। पहाड़ों के पीछे से सूरज झाँक रहा है। जैसे ही सूरज की धूप तेज होगी, वैसे ही पेड़ों पर जमी बर्फ़ बूँद बनकर टपकने लगेगी।

प्रदत्त कार्य

❖ चित्र वर्णन कीजिए–

....

....

....

....

....

....

....

अपठित गद्यांश

1. एक पेड़ पर कौवा और कौवी रहते थे। उसी पेड़ की खोखल में एक साँप भी रहता था। साँप कौए के बच्चों को खा जाता था। इससे कौवा और कौवी बहुत दुखी रहते थे। एक दिन कौवी ने कौवे से कहा—"चलो, हम किसी दूसरे पेड़ पर चलते हैं और अपना घोंसला बनाते हैं।" कौवे ने कहा—"नहीं, भागने की बजाय हमें अपनी बुद्धि से काम लेना चाहिए।"

प्रश्न 1. पेड़ पर कौन-कौन रहते थे?

उत्तर— पेड़ पर कौवा-कौवी और खोखल में एक साँप रहता था।

प्रश्न 2. कौवा-कौवी दुखी क्यों थे?

उत्तर— साँप उनके बच्चों को खा जाता था, इसलिए कौवा-कौवी दुखी थे।

प्रश्न 3. कौवी क्या चाहती थी?

उत्तर— कौवी किसी दूसरे पेड़ पर घोंसला बनाना चाहती थी।

प्रश्न 4. कौवे को किस पर भरोसा था?

उत्तर— कौवे को अपनी बुद्धि पर भरोसा था।

2. भारत केवल धरती का एक भाग नहीं है, यह हजारों वर्षों का और करोड़ों लोगों का संचित अनुभव है। जिन-जिन लोगों ने भारत को अपना घर कहा, उन्हीं के उस अनुभव के रंग में हम सब रंगे हुए हैं। हम इसे 'भारतीय संस्कृति' कहते हैं। यह बताना तो बड़ा मुश्किल है कि हमारी संस्कृति क्या है, परंतु महसूस करना आसान है। संस्कृति उस खुशबू की तरह है, जिसकी पहचान तो हो सकती है पर जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता। यह संस्कृति ही वह धागा है, जिसने हमें अन्य भारतीयों के साथ जोड़ा है।

प्रश्न 1. भारत क्या है?

उत्तर— भारत केवल धरती का एक भाग नहीं है, यह हजारों वर्षों का और करोड़ों लोगों का संचित अनुभव है।

प्रश्न 2. हम किस चीज को महसूस करते हैं, किंतु बता नहीं पाते?

उत्तर— हम 'भारतीय संस्कृति' को महसूस करते हैं, किंतु बता नहीं पाते।

प्रश्न 3. संस्कृति किसके समान है?

उत्तर— संस्कृति उस खुशबू के समान है, जिसकी पहचान तो हो सकती है किंतु उसका वर्णन नहीं किया जा सकता।

प्रश्न 4. भारतीयों को आपस में जोड़ने वाला क्या है?

उत्तर— संस्कृति ही वह धागा है, जो भारतीयों को आपस में जोड़ता है।

3. हिमालय दुनिया का सबसे ऊँचा पर्वत है। इसलिए इसे 'पर्वतराज' कहते हैं। हिमालय से गंगा, यमुना, सिंधु, ब्रह्मपुत्र आदि अनेक नदियाँ निकलती हैं। इन नदियों में सालभर पानी रहता है। इनमें से कई नदियों पर बाँध बनाए गए हैं। बाँधों के पानी से खेतों की सिंचाई होती है और बिजली भी बनाई जाती है। हमें हिमालय के जंगलों से अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियाँ और उपयोगी लकड़ियाँ मिलती हैं। हिमालय में अनेक खनिज पदार्थ भी पाए जाते हैं। हिमालय भारतमाता के सिर पर मुकुट के समान सुशोभित है।

निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर का गोला (○) भरिए–

1. 'पर्वतराज' कौन है?

   (क) हिमालय ○ (ख) नीलगिरि ○ (ग) विंध्याचल ○

2. हिमालय से कौन-कौन सी नदियाँ निकलती हैं?

   (क) गंगा-यमुना ○ (ख) ब्रह्मपुत्र ○ (ग) दोनों ○

3. हिमालय के जंगलों से हमें क्या मिलता है?

   (क) पशु-पक्षी ○ (ख) गन्ना ○ (ग) जड़ी-बूटियाँ ○

4. बाँध कहाँ बनाए जाते हैं?

   (क) हिमालय पर ○ (ख) नदियों पर ○ (ग) हिमालय के जंगलों में ○

5. इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है–

   (क) पर्वतराज हिमालय ○ (ख) भारत का शत्रु ○ (ग) दोनों ○

प्रदत्त कार्य

वृक्ष हमारे लिए बहुत लाभदायक हैं। ये हमें फल-सब्ज़ियाँ, तेल-मसाले आदि वस्तुएँ देते हैं। पेड़ों से लकड़ी भी मिलती है जिससे फर्नीचर, खिड़कियाँ और दरवाज़े बनाए जाते हैं। पेड़ बारिश लाने में भी सहायता करते हैं। पेड़-पौधे जंगल के पशु-पक्षियों को रहने के लिए आश्रय देते हैं। पशु-पक्षी पेड़ों की छाया में आराम करते हैं। पक्षी पेड़ों पर अपना घोंसला बनाकर रहते हैं।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. हमें वृक्षों से क्या लाभ हैं?

   ....

2. पेड़ों पर कौन रहता है?

....

3. वृक्षों को क्यों नहीं काटना चाहिए?

....

4. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

....

5. विलोम शब्द लिखिए–

लाभदायक – .... अपना – ....

प्रदत्त कार्य

हर देश का अपना एक राष्ट्रीय झंडा होता है। वह उस देश का प्रतीक होता है। हमारे देश का राष्ट्रीय झंडा 'तिरंगा' है। इसमें मुख्य तीन रंग हैं–केसरिया, सफ़ेद और हरा। सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी है, बीच में सफ़ेद रंग की पट्टी है और हरे रंग की पट्टी सबसे नीचे है। केसरिया रंग बलिदान का प्रतीक है। सफ़ेद रंग सच्चाई और शांति का प्रतीक है तथा हरा रंग खुशहाली का प्रतीक है। हरा रंग हमारे देश की सुख-समृद्धि को भी दर्शाता है। हमारे देश का तिरंगा हमारी शान का प्रतीक है। झंडे के बीचों बीच एक चक्र है, जिसे 'अशोक चक्र' कहते हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. राष्ट्रीय झंडा 'तिरंगा' किस देश का है?

   (क) भारत का ◯ (ख) श्रीलंका का ◯ (ग) नेपाल का ◯

2. तिरंगे में कौन-कौन से रंग हैं?

   (क) लाल, सफ़ेद, हरा ◯ (ख) केसरिया, सफ़ेद, हरा ◯ (ग) सभी रंग हैं ◯

3. सफेद रंग किसका प्रतीक है?

   (क) बलिदान का ◯ (ख) शांति का ◯ (ग) खुशहाली का ◯

4. अशोक चक्र किस रंग की पट्टी पर होता है?

   (क) सफ़ेद ◯ (ख) हरी ◯ (ग) केसरिया ◯

5. इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक हो सकता है–

   (क) राष्ट्रीय ध्वज ◯ (ख) तिरंगा ◯ (ग) दोनों ◯

प्रदत्त कार्य

निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर अनुच्छेद लिखिए–

- पेड़–हमारे मित्र
- चिड़ियाघर की सैर
- मेरा मनपसंद त्योहार
- अगर मैं पक्षी होता...

अनुच्छेद-लेखन

किसी एक विचार पर जो लेख लिखा जाता है, उसे **अनुच्छेद** कहते हैं। अनुच्छेद वाक्यों के रूप में लिखा जाता है।

अनुच्छेद लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें–

- लिखने से पहले विषय के बारे में अच्छी तरह विचार करें।
- वाक्य छोटे व सरल हों। वाक्यों की पुनरावृत्ति न हो।
- शब्द ज्ञान की सहायता से उसे रोचक व अर्थ पूर्ण बनाया जाए।

नीचे दिए गए कुछ अनुच्छेदों को पढ़िए–

1. इंटरनेट

बच्चों के लिए जादू का पिटारा 'इंटरनेट' कंप्यूटर की दुनिया का बहुत जाना-पहचाना नाम है। इस पिटारे में खेल तो हैं ही, साथ ही गीत-संगीत, फिल्में, पत्रिकाएँ, इतिहास, भूगोल, गणित आदि विषयों की अपार सामग्री भी है। इंटरनेट के माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में बैठे हुए व्यक्ति से बात करने के साथ-साथ उसका चित्र भी देखा जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक मेल का ही संक्षिप्त नाम-ई-मेल है, जो इंटरनेट की सबसे लोकप्रिय सेवा है। इंटरनेट का आविष्कार सन् 1969 में अमेरिका में हुआ था। भारत में इंटरनेट की शुरुआत सन् 1995 में हुई।

2. हमारा राष्ट्रीय पक्षी-मोर

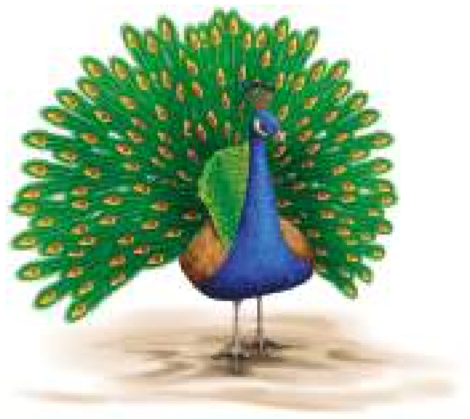

'मोर' हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। मोर की सुंदरता अनुपम होती है, जो सबका मन मोह लेती है। उसकी गरदन नीले रंग की होती है। मोर के पंख बहुत ही चमकीले होते हैं। उन पर चमकदार चाँद बने होते हैं। मोर के सिर पर एक कलगी होती है। जब आकाश में काले बादल उमड़ते हैं, तो उन्हें देखकर मोर नाचने लगता है। मोर नाचते समय अपने पंख फैला लेता है। मोर किसान का मित्र होता है क्योंकि वह खेतों के कीड़े-मकोड़ों को खा जाता है। भारत सरकार ने मोर के शिकार पर पाबंदी लगा कर उन्हें सुरक्षा प्रदान की है।

3. सबसे अच्छा प्राणी

मनुष्य सबसे अच्छा प्राणी है। वह दूसरे प्राणियों की मदद करता है। मनुष्य ने अपनी बुद्धि से बहुत से आविष्कार किए हैं। वह उनका लाभ उठाता है। मनुष्य को छोड़कर अन्य कोई जीव पढ़-लिख नहीं सकता है। इसलिए शिक्षा हमारे लिए वरदान है। हमें खूब मन लगाकर पढ़ना चाहिए और दूसरे प्राणियों की मदद करनी चाहिए। दूसरे जीव-जंतुओं को सताना नहीं चाहिए। पशु-पक्षी पेड़-पौधे सभी हमारे दोस्त हैं। उन्हें नुकसान पहुँचाना पाप है।

4. नदी की आत्मकथा

मैं नदी हूँ। मेरा जन्म पर्वत प्रदेश में हुआ। मैं कलकल करती हुई पर्वतों से मैदानों की ओर बहती हूँ। मेरा रास्ता कोई भी नहीं रोक सकता। मैं बड़ी-बड़ी चट्टानों पर भी अपना रास्ता बना लेती हूँ। मेरे ऊपर बाँध बनाकर बिजली बनाई जाती है। मुझसे नहरें निकालकर खेतों को सींचा जाता है। मैं अपने जल से वनों को हरा-भरा रखती हूँ। लोग मेरा शुद्ध जल पीकर अपनी प्यास बुझाते हैं। मैं वर्षा अधिक होने पर भयंकर बाढ़ का रूप ले लेती हूँ। मैं अंत में सागर में जाकर मिल जाती हूँ।

5. मेट्रो की यात्रा

मुझे मेट्रो की यात्रा करने में बहुत मज़ा आया। हम सब रविवार को मेट्रो से कुतुबमीनार गए। सबसे पहले हमने मेट्रो स्टेशन पर टोकन लिया। उसके बाद हम मशीन से चलने वाली सीढ़ियों से मेट्रो रेल के प्लेटफॉर्म पर पहुँचे। दो मिनट बाद ही मेट्रो आ गई। उसके दरवाज़े मशीन से अपने आप ही खुल गए। हम अपनी सीट पर बैठ गए। जैसे ही मेट्रो चली, वैसे ही दिल्ली का नज़ारा दिखाई देने लगा। हवा से बात करती हुई मेट्रो और उसके नीचे शहर का नज़ारा बहुत ही सुंदर लग रहा था। हर स्टेशन पर बहुत कम समय के लिए ही मेट्रो रुकती और फिर चल पड़ती। न कोई प्रदूषण, न शोर और न ही आने-जाने में कोई परेशानी ही। पहली बार यात्रा का सुखमय अनुभव मेट्रो के साथ हुआ। इसके सफ़र का मज़ा ही अलग होता है।

पत्र-लेखन

हम अपने विचार दूसरों तक पहुँचाने के लिए 'पत्र' लिखते हैं। पत्र दो प्रकार के होते हैं–

औपचारिक-पत्र – औपचारिक-पत्र प्रधानाचार्य, कक्षा अध्यापक / अध्यापिका, संपादक या अन्य किसी अधिकारी को लिखे जाते हैं।

अनौपचारिक-पत्र – अनौपचारिक-पत्र अपने मित्रों, प्रियजनों, परिवार वालों व सगे-संबंधियों को लिखे जाते हैं।

पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें–

- पत्र की भाषा सरल तथा सहज होनी चाहिए।
- वाक्य छोटे व अर्थपूर्ण होने चाहिए।
- पत्र में सभी जानकारी व सूचना ठीक से लिखी जानी चाहिए।

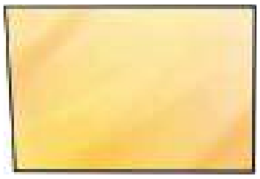

- जिसे पत्र भेजा जा रहा है, लिफ़ाफ़े पर उसका नाम, पूरा पता और पिन कोड अवश्य लिखें।
- डाक टिकट अवश्य लगाएँ।
- लिफ़ाफ़े के दूसरी ओर भेजने वाले का नाम, पूरा पता तथा पिन कोड लिखें।

जैसे–

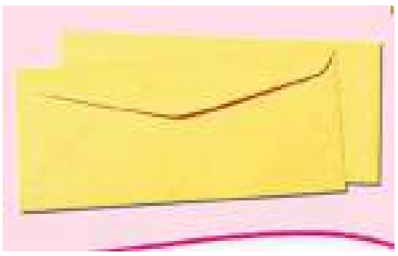

नीचे कुछ अनौपचारिक तथा औपचारिक पत्र दिए गए हैं। उन्हें ध्यान से पढ़ें व दोनों प्रकार के पत्रों को समझें–

अनौपचारिक पत्र

1. बुखार की जानकारी देते हुए बुआ जी को पत्र।

32, आदर्श नगर,

दिल्ली–110033

22 अप्रैल, 20....

आदरणीय बुआ जी,

सादर प्रणाम।

मैं यहाँ सकुशल हूँ। आशा करती हूँ कि आप भी सकुशल होंगी। मुझे आपकी बहुत याद आती है। मैंने दो दिन पहले बहुत सारी आइसक्रीम खाई थी, जिसके कारण मुझे खाँसी हो गई थी। मैं तीन दिन तक स्कूल नहीं जा पाई। डॉक्टर ने मुझे बहुत–सी कड़वी दवाइयाँ भी खाने को दी थीं। मैं दवाइयाँ खाने के बाद एक चम्मच चीनी खाती थी।

घर में सभी बड़ों को मेरी नमस्ते कहना और छोटों को प्यार देना।

आपकी भतीजी

वर्षा

2. परीक्षा में सफलता मिलने पर बड़े भाई की ओर से बधाई–पत्र।

11, सुदामा मार्ग

जयपुर (राजस्थान)

6 अप्रैल, 20....

प्रिय सबला,

बहुत–बहुत प्यार!

मुझे यह जानकर बहुत खुशी हो रही है कि तुमने अपनी परीक्षा में 97% अंक लेकर पूरे विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए तुम्हें हार्दिक बधाई। आशा है, भविष्य में भी तुम इसी प्रकार मेहनत करती रहोगी। यह सब तुम्हारे दृढ़ निश्चय और लगन का ही परिणाम है।

हम सबकी तरफ़ से तुम्हें बहुत बधाई।

शुभकानाओं के साथ,

तुम्हारा बड़ा भाई

मोहित

3. स्कूल में लगे मेले के बारे में बताते हुए अपनी माता जी को पत्र लिखिए।

15, सूर्य छात्रावास,

चंडीगढ़।

2 मई, 20....

आदरणीय माता जी,

सादर चरण स्पर्श।

मैं यहाँ पर ठीक हूँ। आशा है कि आप भी वहाँ पर ठीक होंगी। मेरी पढ़ाई अच्छी तरह चल रही है। मैं यह बताने के लिए पत्र लिख रही हूँ कि पिछले सप्ताह मेरे विद्यालय में एक मेला लगा था, जिसमें बहुत-सी दुकानें भी लगाई गई थीं। मैंने भी कुछ चित्र बनाकर मेले में सजाए थे। मेरे चित्रों की खूब प्रशंसा की गई। मुझे बहुत खुशी हुई। मैं 10 मई को घर आऊँगी। मेरी ओर से आपको और दादी जी को चरण स्पर्श। डब्बू को प्यार।

आपकी प्यारी बेटी,

नेहा

औपचारिक पत्र

1. प्रधानाचार्या को अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

सेवा में,

प्रधानाचार्या

तितिक्षा पब्लिक स्कूल,

सेक्टर-11, रोहिणी,

नई दिल्ली-110085

विषय–तीन दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र।

महोदया,

निवेदन यह है कि मुझे कल शाम से बहुत बुखार है। इसी कारण मुझे डॉक्टर के पास जाना पड़ा। डॉक्टर ने मुझे तीन दिन की दवाई दी है और आराम करने की सलाह भी दी है। कृपया मुझे तीन दिन का अवकाश प्रदान करें।

मैं आपकी आभारी रहूँगी।

धन्यवाद

आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या,

वर्षा

कक्षा–IV 'ए'

2. नुक्कड़ नाटक में भाग लेने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र।

मकान न०–8

वैरागढ़, भोपाल (म० प्र०)

सेवा में,

प्रधानाचार्य

बाल भारती पब्लिक स्कूल,

भोपाल (म० प्र०)

विषय–नुक्कड़ नाटक में भाग लेने के लिए

महोदय,

मैं चौथी कक्षा का छात्र हूँ। सुबह प्रार्थना सभा में घोषणा हुई थी कि विद्यालय में 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' मनाया जाएगा और 'जल बचाओ' विषय पर एक नुक्कड़ नाटक भी कराया जाएगा। मैं भी उस नाटक में भाग लेना चाहता हूँ।

अत: आपसे प्रार्थना है कि मुझे भी अभिनय करने का अवसर प्रदान करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

सक्षम

कक्षा–IV 'ए'

3. माफ़ी माँगते हुए कक्षा अध्यापिका को पत्र।

25 अप्रैल 20....

सेवा में,

कक्षा अध्यापिका,

दिल्ली पब्लिक स्कूल,

फरीदाबाद (हरियाणा)।

विषय–माफ़ी माँगने के लिए पत्र।

महोदया,

मैं कक्षा चौथी 'ब' की छात्रा हूँ। जब कल मैं कक्षा में आई, तो सारी खिड़कियाँ बंद थीं। जैसे ही मैंने खिड़की खोलनी चाही, वैसे ही उसका शीशा नीचे गिरकर चूर-चूर हो गया। मैंने यह बात किसी को नहीं बताई थी क्योंकि मैं बहुत डर गई थी।

मुझे लगता है कि हमें सच बोलना चाहिए, इसलिए मैं यह जानकारी आपको दे रही हूँ। कृपया मुझे माफ़ कर दें, मैं भविष्य में इस प्रकार की गलती नहीं करूँगी।

मैं आशा करती हूँ कि आप मुझे माफ़ कर देंगी।

आपकी शिष्या,

छाया

कक्षा-IV 'ब'

प्रदत्त कार्य (औपचारिक पत्र)

1. पुस्तकालय की पुस्तक खो जाने पर प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर सूचित करें।

या

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को शुल्क माफ़ करने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखें।

प्रदत्त कार्य (अनौपचारिक पत्र)

2. चाचा जी द्वारा हाथ की घड़ी भेजने पर धन्यवाद देते हुए पत्र लिखें।

या

स्कूल में मनाए गए वार्षिकोत्सव की जानकारी देते हुए अपनी माता जी को पत्र लिखें।

संवाद-लेखन

आलू आज ही अपने साथी आलुओं के साथ रसोईघर की सैर करने गया। उसने रसोईघर में थाली देखकर उसके बारे में जानना चाहा–

आलू – तुम्हारा क्या नाम है?

थाली – मेरा नाम थाली है। तुम्हारा नाम क्या है?

आलू – मैं आलू हूँ। मैं गोल-मटोल हूँ।

थाली – मैं भी गोल हूँ। तुम कहाँ रहते हो?

आलू – मेरे कई घर हैं–खेत, बाज़ार, रसोईघर।

थाली – मुझे अपना यह रसोईघर बहुत पसंद है और तुम्हें?

आलू – मुझे तो खेत पसंद है। मैं वहाँ मिट्टी के नीचे दिनभर आराम करता हूँ।

थाली – क्या तुम्हें पता है, मुझे तुम्हारे पराँठे बहुत पसंद हैं?

आलू – क्या? मेरे पराँठे?

थाली – हाँ भाई, आलू के पराँठे।

आशीष और नवल मेट्रो में सफर करते हुए–

आशीष – नवल, क्या तुमने पहले भी मेट्रो में सफ़र किया है?

नवल – हाँ आशीष, मैं पहले भी बहुत बार मेट्रो में सफ़र कर चुका हूँ।

आशीष – अच्छा, मैं तो आज पहली बार मेट्रो में सफ़र कर रहा हूँ।

नवल – आशीष, क्या तुम जानते हो कि दिल्ली में मेट्रो कब चली?

आशीष – हाँ, 24 दिसंबर, 2002 को दिल्ली में पहली बार मेट्रो चली थी।

नवल – बिल्कुल सही कहा तुमने आशीष, पहली ट्रेन तीस हज़ारी से शाहदरा के बीच चली थी।

आशीष – हाँ, नवल। क्या तुम जानते हो कि 9 दिसंबर, 2004 को पहली भूमिगत मेट्रो चली थी?

नवल – वाह आशीष!, तुम तो मेट्रो के बारे में बहुत कुछ जानते हो।

माली एवं छात्र के बीच संवाद–

माली – बेटा, उधर कहाँ जा रहे हो?

छात्र – अंकल, फूल तोड़ने जा रहा हूँ।

माली – बेटा, फूल तोड़ना गलत बात होती है। वापस जाओ।

छात्र – अंकल, आप फूल क्यों तोड़ते हैं?

माली – पहले यह बताओ कि तुम फूल का क्या करोगे?

छात्र – आज सरस्वती पूजा है। माँ शारदा पर चढ़ाऊँगा।

माली – ठीक है। मैं तोड़कर देता हूँ।

छात्र – अंकल, कृपया मुझे तोड़ने दो।

माली – नहीं, तुम फूल के साथ डाली भी तोड़ दोगे।

छात्र – ठीक है, आप ही दे दीजिए।

माली – यह, लो फूल।

छात्र – धन्यवाद, अंकल।

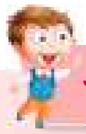

यह भी जानें

अच्छे संवाद के गुण–

- संवाद छोटे एवं सरल हों।
- संवादों में रोचक शब्द एवं वाक्यों का प्रयोग हो।
- सरल वाक्य अधिक हों।
- आत्मीयता का भाव हो।

पुराने एवं नए छात्र के बीच संवाद–

नया छात्र – क्या कक्षा चौथी 'स' यही है?

पुराना छात्र – हाँ-हाँ, यही है। क्या आप पहली बार इस कक्षा में आए हैं?

नया छात्र – हाँ, पहली बार आया हूँ।

पुराना छात्र – पहले कहाँ पढ़ते थे?

नया छात्र – इंदौर में।

पुराना छात्र – यहाँ क्यों आ गए?

नया छात्र – यहाँ पापा का तबादला हुआ है।

पुराना छात्र – चलो, अच्छा हुआ। हमें एक मित्र और मिल गया।

नया छात्र – और, मुझे भी। क्या मैं अपने पहले मित्र का नाम जान सकता हूँ?

पुराना छात्र – दर्पण, और आपका?

नया छात्र – गौरव।

दोनों छात्र – हा-हा-हा।

प्रदत्त कार्य

निम्न विषयों पर संवाद लिखिए–

1. समोसे और मिठाई आपस में क्या बातें करते होंगे?

2. पारुल और छवि पार्क में घूमते हुए लोगों को देखकर क्या बातें करेंगी?

वर्तनी की सामान्य अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध
मै	मैं
हुँ	हूँ
मैनें	मैंने
नही	नहीं
तिथी	तिथि
भाशा	भाषा
षेश	शेष
गुरू	गुरु
सूई	सुई
दुसरा	दूसरा
चिन्ह	चिह्न
श्रीमति	श्रीमती
नीरोगी	निरोगी
बिमार	बीमार
आन्नद	आनंद
आधीन	अधीन
परिक्षा	परीक्षा
र्दुबल	दुर्बल
स्त्रीयाँ	स्त्रियाँ
अतिथी	अतिथि
श्रृँगार	शृंगार

अशुद्ध	शुद्ध
पढाई	पढ़ाई
कृप्या	कृपया
अध्यन	अध्ययन
चाहिये	चाहिए
र्निधन	निर्धन
इनसान	इंसान
मुसकान	मुस्कान
उल्टा	उलटा
प्राकृति	प्रकृति
आईए	आइए
शांती	शांति
महत्व	महत्त्व
कर्तव्य	कर्त्तव्य
किंहीं	किन्हीं
दिजिए	दीजिए
रुपए	रुपये
क्योकी	क्योंकि
राष्ट्रिय	राष्ट्रीय
करेगें	करेंगे
महत्व	महत्त्व
सफ़लता	सफलता

अशुद्ध	शुद्ध
छूट्टियाँ	छुट्टियाँ
कमप्यूटर	कंप्यूटर
आर्शीवाद	आशीर्वाद
कवियित्री	कवयित्री
उपलक्ष	उपलक्ष्य
उपरोक्त	उपर्युक्त
स्वास्थय	स्वास्थ्य
उज्जवल	उज्ज्वल
संयासी	संन्यासी
पूज्यनीय	पूजनीय
दवाईयाँ	दवाइयाँ
महिलाऐं	महिलाएँ
उन्होनें	उन्होंने
प्रदशिनी	प्रदर्शनी
बिल्कुल	बिलकुल
पुरसकार	पुरस्कार
समाजिक	सामाजिक
परिवारिक	पारिवारिक
अत्याधिक	अत्यधिक
प्राधानाचार्य	प्रधानाचार्य
विषेशण	विशेषण

दिनों के नाम

रविवार

सोमवार

मंगलवार

बुधवार

बृहस्पतिवार

शुक्रवार

शनिवार

महीनों के नाम

जनवरी

फ़रवरी

मार्च

अप्रैल

मई

जून

जुलाई

अगस्त

सितंबर

अक्टूबर

नवंबर

दिसंबर

संख्याओं के नाम

1.	एक	26.	छब्बीस
2.	दो	27.	सत्ताईस
3.	तीन	28.	अट्ठाईस
4.	चार	29.	उनतीस
5.	पाँच	30.	तीस
6.	छः	31.	इकतीस
7.	सात	32.	बत्तीस
8.	आठ	33.	तैंतीस
9.	नौ	34.	चौंतीस
10.	दस	35.	पैंतीस
11.	ग्यारह	36.	छत्तीस
12.	बारह	37.	सैंतीस
13.	तेरह	38.	अड़तीस
14.	चौदह	39.	उनतालीस
15.	पंद्रह	40.	चालीस
16.	सोलह	41.	इकतालीस
17.	सत्रह	42.	बयालीस
18.	अठारह	43.	तैंतालीस
19.	उन्नीस	44.	चौवालीस
20.	बीस	45.	पैंतालीस
21.	इक्कीस	46.	छियालीस
22.	बाईस	47.	सैंतालीस
23.	तेईस	48.	अड़तालीस
24.	चौबीस	49.	उन्चास
25.	पच्चीस	50.	पचास

आदर्श प्रश्न पत्र-I

समयावधि–1 घंटा 30 मिनट **अधिकतम अंक–50**

1. सही कथनों के आगे (✓) चिह्न और गलत कथनों के आगे (×) चिह्न लगाइए– 5

(क) भाषा केवल बोली जाती है। (   )

(ख) भाषा द्वारा बातचीत होती है। (   )

(ग) संकेतों के द्वारा मन के सभी भाव प्रकट किए जा सकते हैं। (   )

(घ) रेडियो पर भाषा का प्रयोग होता है। (   )

(ङ) हम लिखकर दूसरों के विचार जान सकते हैं। (   )

2. निम्नलिखित शब्दों को सही वर्गों में बाँटकर लिखिए– 6

श्रेया, नदी, पर्वत, अमीरी, फल, मिठास, किताब, सच्चाई, हिमालय, मोहिनी, लालकिला, सब्जी, प्रेम, ईमानदारी, लड़की, लखनऊ, सुंदरता

व्यक्तिवाचक संज्ञा		जातिवाचक संज्ञा		भाववाचक संज्ञा	
....	....	....	....	....	....
....	....	....	....	....	....
....	....	....	....	....	....

3. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए– 5

तुमने मालती से पूछा होगा। ....

उन्होंने चाय पी ली है। ....

आप बहन की शादी में जरूर आना। ....

उसके पिता जी इंजीनियर है। ....

हिमांशु तुम्हारा पता पूछ रहा था। ....

पिताजी ने उसे चाय पर बुलाया है ....

हम कल आगरा जाएँगे। ....

उनके घर पर ताला लगा है। ....

प्राची ने उसे बहुत डाँटा। ....

उनका नाम किताब पर लिखा है। ....

4. निम्नलिखित वाक्यों के विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए और उनके भेदों के नाम लिखिए– 8

	रेखांकित शब्द	भेद
ऋचा शर्मा ने पंजाबी गीत सुनाए।	....	....
बेईमान नेता पकड़ा गया।	....	....
सिमर ने लोक नृत्य किया।	....	....
उसे थोड़ी चाय पिलाओ।	....	....

5. निम्नलिखित शब्दों के उचित पर्यायवाची शब्द का गोला (◯) भरिए– 6

(क) शत्रु – दुश्मन ◯ मित्र ◯ सखा ◯

(ख) फूल – कमल ◯ पंकज ◯ सुमन ◯

(ग) बगीचा – वन ◯ अरण्य ◯ उपवन ◯

(घ) पक्षी – खग ◯ नग ◯ पग ◯

(ङ) अग्नि – घतक ○ पाणि ○ पावक ○

(च) अँधेरा – सदन ○ तिमिर ○ पताका ○

6. **निम्नलिखित वाक्यों में आए रंगीन शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए–** 5

(क) नीहारिका **ईश्वर में विश्वास रखने वाली** लड़की है। ....

(ख) हरीश की **महीने में एक बार होने वाली** परीक्षा कल है। ....

(ग) रोहन **परिश्रम करने वाला विद्यार्थी** है। ....

(घ) **ऊपर कहा गया कथन** डा० हजारी प्रसाद द्विवेदी का है। ....

(ङ) उपमा व शैली **एक ही कक्षा में पढ़ते** हैं। ....

7. **पाँच वाक्यों में चित्र का वर्णन कीजिए–** 5

....

....

....

....

....

8. **पिकनिक पर जाने के लिए अपने मित्र को एक पत्र लिखकर बुलाइए।** 5

9. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 5

टेलिविजन दूर-दूर के दृश्यों को हमारे सामने पेश करता है। इसलिए ही इसका नाम 'दूरदर्शन' पड़ा। टेलिविजन मनोरंजन का एक खज़ाना है। इस पर तरह-तरह के कार्यक्रम दिखाए जाते हैं। क्रिकेट, फुटबॉल और तरह-तरह के खेल, चाहे कहीं भी खेले जा रहे हों, वे हमें टेलिविजन पर दिखाए जाते हैं। टेलिविजन पर विविध विषयों पर चर्चा होती है। इनके माध्यम से हमें अनेक जानकारियाँ मिलती हैं। टेलिविजन पर भोजन बनाने की अनेक विधियाँ तथा हस्तकला की वस्तुएँ बनाने के तरीके भी बताए जाते हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (○) भरकर दीजिए–

1. मनोरंजन का खज़ाना क्या है?
   (क) टेलिविजन ○ (ख) लड़ाई ○ (ग) दोनों ○
2. दूरदर्शन का क्या अर्थ है?
   (क) दूर देखना ○ (ख) दूर की सोचना ○ (ग) दूर के दृश्यों को दिखाने वाला ○
3. टेलिविजन पर हम क्या देख सकते हैं?
   (क) फिल्में ○ (ख) नाटक ○ (ग) दोनों ○
4. टेलिविजन से क्या-क्या लाभ हैं?
   (क) हम भोजन बनाने की विधियाँ जान सकते हैं। ○ (ग) दोनों ○
   (ख) हम घर पर बैठे अनेक विषयों की जानकारियाँ पा सकते हैं। ○
5. इस गद्यांश का शीर्षक हो सकता है–
   (क) दूरदर्शन के लाभ ○ (ख) दूरदर्शन और हम ○ (ग) मनोरंजन का खजाना दूरदर्शन ○

आदर्श प्रश्न पत्र-II

समयावधि–1 घंटा 30 मिनट **अधिकतम अंक–50**

1. **नीचे दिए गए वाक्यांशों का सही मिलान कीजिए एवं पूरा वाक्य लिखिए–** 5

रीता नृत्य	गरज रहे हैं।	....
महिमा मसूरी	पहुँच जाएगी।	....
जयंत विद्यालय	कर रही है।	....
आकाश में बादल	गया था।	....
गाड़ी समय पर	घूमने जाएगी।	....

2. **नीचे दिए गए शब्दों को क्रियाविशेषण के रूप में प्रयोग करते हुए वाक्य लिखिए–** 5

जल्दी-जल्दी – ....

काफ़ी – ....

अंदर – ....

धीरे-धीरे – ....

ऊपर – ....

3. **नीचे दिए गए अनुच्छेद में उचित विराम चिह्न लगाइए–** 5

मालती कल अपनी दादी जी के साथ पार्क में घूमने गई वहाँ चंपा चमेली जूही गुलाब और कनेर के फूल खिले थे उन पर मँडराती तितलियों को देखकर उसने पूछा दादी जी ये क्या हैं दादा जी ने बताया बेटी ये तितलियाँ हैं मालती बोली अरे ये तो बहुत सुंदर हैं।

4. **नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–** 10

आँख – .... अँधेरा – ....

धरती – .... घर – ....

चाँद – ....

5. **रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य पूरा करें–** 5

(क) यह इमारत बहुत **प्राचीन** है और वह ....।

(ख) युद्ध में पांडवों की **जीत** हुई और कौरवों की ....।

(ग) हमें सभी जीवों से **प्रेम** करना चाहिए .... नहीं।

(घ) हमें **विदेश** जाने की बजाय अपने .... में रहकर ही नाम कमाना चाहिए।

(ङ) वह **दिन**-................ मेहनत करता है।

6. **दिए गए मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए–** 5

कमर कसना – ....

आसमान के तारे तोड़ना – ....

चार चाँद लगाना — ....

होश उड़ जाना — ....

पीठ थपथपाना — ....

7. पाँच वाक्यों में चित्र का वर्णन कीजिए– 5

....

....

....

....

....

8. दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। 5

9. अपठित गद्यांश 5

वृक्ष जितने बड़े और घनाकार होते हैं, उनका काम भी उतना ही कठिन होता है। उनकी हरियाली हमारी आँखों को ठंडक पहुँचाती है। उनसे हमें छाया, शुद्ध हवा, फल, फूल, लकड़ियाँ आदि मिलती हैं। पेड़ों के कारण बरसात भी होती है। अनेक प्रकार के पक्षी उन पर घोंसला बनाकर रहते हैं। पेड़-पौधों से घरों और बगीचों की सुंदरता भी बढ़ती है। इतना सब कुछ देने के बावजूद पेड़-पौधे हमसे बदले में कुछ भी नहीं लेते। हम इनसे सीख लें कि हमें भी दूसरों की भलाई करनी चाहिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (○) भरकर दीजिए–

1. पेड़ों से हमें क्या-क्या चीज़ें मिलती हैं?
   (क) शुद्ध हवा ○ (ख) फल-फूल ○
   (ग) छाया ○ (घ) उपर्युक्त सभी ○
2. पेड़ों के कारण क्या होता है?
   (क) अधिक गरमी पड़ती है ○ (ख) अधिक ठंड होती है ○
   (ग) बरसात होती है ○ (घ) सूखा पड़ता है। ○
3. पक्षी कहाँ घोंसला बनाते हैं?
   (क) पेड़ों पर ○ (ख) फल-फूलों पर ○
   (ग) दोनों जगह ○ (घ) कहीं नहीं ○
4. हमारी आँखों को कौन ठंडक पहुँचाता है?
   (क) सूखे पेड़ ○ (ख) फल-फूल ○
   (ग) जीव-जंतु ○ (घ) पेड़-पौधों की हरियाली ○
5. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है–
   (क) वृक्ष ○ (ख) वृक्ष और हम ○
   (ग) दोनों ○ (घ) इनमें से कोई नहीं ○